मार्गशीर्ष कृष्ण - 8 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 130 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 05-12-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 न्यायपालिका को भी 'स्वच्छ' बनाने का प्रयास किया जा रहा है : भाजपा

6 चुनावी परिणाम से कांग्रेस का 'इंडि गठबंधन' हुआ कमजोर

7 'लालच और सत्ता की लालसा' के चलते हारी कांग्रेस : विजयन

फर्स्ट टेक

तुर्किये में 5.1 तीव्रता का भूकंप, जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं

अंकारा/एपी। उत्तर पश्चिम तुर्किये में सोमवार को मध्यम तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से लोग दहशत में आ गए और घरों से बाहर निकल आए। भूकंप से जानमाल के नुकसान की अभी कोई सूचना नहीं है। आपदा प्रबंधन एजेंसी एएफएडी के अनुसार 5.1 तीव्रता के भूकंप का केंद्र बर्सा प्रांत के जेमलिक शहर के पास मरमारा सागर में था। भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजकर 42 मिनट पर (अंतरराष्ट्रीय समयानुसार सुबह सात बजकर 42 मिनट) लगभग समुद्र में नौ किलोमीटर की गहराई में आया था। हैबरतुर्क टेलीविजन ने कहा कि इस्तांबुल और आसपास के अन्य क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किए गए जहां लोग अपने अपने घरों और कार्यालय निकलकर बाहर आ गए। फरवरी में 7.8 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप ने दक्षिणी और दक्षिणपूर्वी तुर्किये के 11 प्रांतों के साथ-साथ उत्तरी सीरिया के कुछ हिस्से को तबाह कर दिया था। तुर्किये में 50,000 से अधिक लोग मारे गये थे।

पद्मश्री डा. संजय का नाम फिर गिनीज बुक में हुआ दर्ज

देहरादून/लंदन/वार्ता। उत्तराखंड के देहरादून में आर्थोपेडिक सर्जन के रूप में विख्यात पद्मश्री प्राप्त डा बीकेएस संजय का नाम एक बार फिर गिनीज बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हो गया। रविवार को लंदन के प्रतिष्ठित लॉर्ड क्रिकेट ग्राउंड में हैरो (लन्दन) के मेयर राम जी चौहान द्वारा मेडल एवं गिनीज सर्टिफिकेट देकर उन्हें सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार उनकी उत्कृष्ट चिकित्सीय, सामाजिक एवं अन्य कार्यो को दृष्टिगत रखते हुए दुनिया के 'चेंज मेकर्स' के रूप में प्रदान किया गया।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने 'रिज' को साल का शब्द घोषित किया

नई दिल्ली/भाषा। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (ओयूपी) ने सोमवार को बोलचाल के शब्द 'रिज' को साल 2023 का शब्द घोषित किया। यह शब्द शैली, सौंदर्य, आकर्षण या रोमांटिक या यौन साथी को आकर्षित करने की क्षमता को संदर्भित करता है। यह शब्द ओयूपी के विशेषज्ञों द्वारा तैयार आठ शब्दों की एक संक्षिप्त सूची से चुना गया। विशेषज्ञों ने इन शब्दों को 19 अरब उन शब्दों के संग्रह की जांच करने के बाद चुना, जिनके उपयोग में वृद्धि देखी गई है या जो हाल ही में भाषा में जोड़ी गई हैं। व्युत्पत्तिशास्त्र के अनुसार, यह शब्द 'करिज्मा' शब्द का संक्षिप्त रूप माना जाता है, जो शब्द के मध्य भाग से लिया गया है, जो एक असामान्य शब्द निर्माण परिपाटी है।

05-12-2023 सूर्यास्त 5:41 बजे | 06-12-2023 सूर्योदय 6:17 बजे

BSE 68,865.12 (+1,383.93) | NSE 20,686.80 (+418.90)

सोना 6,565 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 83,500 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ज्वलंत प्रश्न

होते हैं डेमोक्रेसी में,
अधिकार सभी के ही समान।
ना जाति वर्ग से होता है,
नीचा-ऊंचा लघु या महान।
वोटों के लालच में फिर क्यों,
इंसानों को देते निशान।
है कौन दलित सचमुच में अब,
इस पर लाओ बिल या विधान।।

तमिलनाडु में भारी बारिश से सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई और उसके पड़ोसी जिलों में सोमवार को लगातार बारिश के कारण विभिन्न हिस्से जलमग्न हो गये हैं, जिससे इन जगहों पर जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश की वजह से यहां 2015 की बाढ़ की पुनरावृत्ति की आशंका पैदा हो गई है। लोग आवश्यक वस्तुओं विशेषकर पेयजल की खरीद के लिये भागदौड़ करते देखे गए। लगातार बारिश से कोई राहत नहीं मिली है, इसके कारण बिजली गुल हो गई और इंटरनेट बाधित हो गया।

चक्रवाती तूफान 'मिगजॉम' के कारण भारी बारिश हो रही है। तूफान का यह नाम म्यामां ने सुझाया गया था, इसका अर्थ है लचीलापन या ताकत । बारिश के कारण परिवहन सेवा बुरी तरह बाधित हुयी है और कई ट्रेन तथा उड़ानों को रद्द कर दिया गया है। सड़कों के जलमग्न होने के कारण आने-जाने वालों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

राज्य की राजधानी के कई हिस्से और आसपास के कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और तिरुवल्लूर जिले जलमग्न हो गये हैं, जबकि सरकारी मशीनरी को रुके हुए पानी को हटाने के लिए तैनात किया गया है।

सोमवार सुबह 8.30 बजे तक पिछले 24 घंटों में, चेन्नई के पेरुंगुडी में 29 सेमी बारिश हुई, जबकि तिरुवल्लूर जिले के आवडी में 28 सेमी और चेंगलपेट के मामल्लापुरम में 22 सेमी बारिश दर्ज की गई।

मौसम कार्यालय ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि चार जिलों में सोमवार देर रात तक भारी से बहुत भारी बारिश होने और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

चक्रवात 'मिगजॉम'

कार्यालय और स्कूल बंद करने की घोषणा

सुरक्षा के लिए केंद्रीय, राज्य एजेंसी तैनात

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने सोमवार को कहा कि राज्य के पूर्वी तटीय जिले चक्रवात 'मिगजॉम' से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आवश्यक सेवाओं को बनाए रखने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियों को तैनात किया गया है। रवि ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''केंद्र और राज्य सरकारें स्थिति पर उच्चतम स्तर पर नजर रख रही हैं।'' राज्यपाल ने कहा, ''मैं लोगों से राज्य सरकार की सलाह का पालन करने और स्थिति में सुधार होने तक घरों में रहने और सुरक्षित रहने की अपील करता हूं।'' इस बीच, सरकार ने भारी बारिश के कारण चेन्नई और पड़ोसी जिलों में पांच दिसंबर के लिए सार्वजनिक अवकाश की भी घोषणा की।

शाह ने मदद का आश्वासन दिया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चक्रवात 'मिगजॉम' के कारण उत्पन्न स्थिति पर सोमवार को तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के मुख्यमंत्रियों से बात की और उन्हें सभी आवश्यक केंद्रीय मदद का आश्वासन दिया। शाह ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मियों की पर्याप्त तैनाती पहले ही की जा चुकी है और अतिरिक्त टीम आगे की सहायता के लिए तैयार है। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी में उनके समकक्षों-क्रमशः वाई एस जगन मोहन रेड्डी और एन रंगास्वामी से बात की। गृह मंत्री ने एक पोस्ट में कहा, ''चक्रवात 'मिगजॉम' के कारण उत्पन्न चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति से निपटने के लिए किए गए उपायों का जायजा लिया। उन्हें जीवन सुरक्षित करने के लिए मोदी सरकार की ओर से सभी आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया।''

मिजोरम चुनाव : जेडपीएम ने 40 में से 27 सीटें जीतीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। जोरम पीपल्स मूवमेंट (जेडपीएम) ने सोमवार को 40 सदस्यीय सदन में 27 सीट जीतकर मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को अपदस्थ कर दिया और मिजोरम की सत्ता हासिल कर ली। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने कहा कि एमएनएफ को 10 सीट पर जीत मिली जबकि भाजपा को दो और कांग्रेस को एक सीट पर जीत मिली।

जीत हासिल करने वाले जेडपीएम के प्रमुख नेताओं में पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार लालदुहोमा भी शामिल हैं। उन्होंने सेरछिप सीट पर मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के जे. माल्सावमजुआला वानचावंग को 2,982 मतों से हराया।

आयोग ने बताया कि मुख्यमंत्री जोरमथंगा आइजोल ईस्ट-प्रथम सीट पर जेडपीएम उम्मीदवार लालथनसांगा से 2,101 मतों से हार गए। अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने बाद में राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति से मुलाकात कर उन्हें अपना इस्तीफा सौंप दिया।

राज्य में 2018 के विधानसभा चुनाव में एमएनएफ ने 26 सीट जीती थीं। मिजोरम के इतिहास में यह पहली बार होगा कि 1987 में इसके गठन के बाद से पूर्वोत्तर राज्य पर गैर-कांग्रेस तथा गैर-एमएनएफ सरकार का शासन होगा।

चुनाव लड़ने वाले एमएनएफ के 11 मंत्रियों में से नौ हार गए। गृह मंत्री लालचमलियाना ने चुनाव नहीं लड़ा था।

लालदुहोमा बनेंगे मिजोरम के मुख्यमंत्री

ऐजल/वार्ता। मिजोरम में सरकार की बागडोर संभाल जा रहे भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी और राज्य के सबसे नये दल जोरम पीपुल्स मूवमेंट(जीएमपी)के 74 वर्षीय नेता लालदुहोमा के 39 राजनीतिक संघर्ष ने राज्य की राजनीति को एक नई दिशा दी है।

लालदुहोमा की पार्टी ने 40 सीटों वाली मिजोरम विधानसभा के चुनावों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 27 सीटें जीती हैं और राज्य में कांग्रेस तथा मिजो नेशनल फ्रंट की द्विध्रुवीय राजनीति का सिलसिला खत्म कर दिया है। उन्होंने अपना राजनीतिक जीवन कांग्रेस से शुरू किया था और बाद में उससे अलग हो गये। राजनीति में कदम रखने के लिए 1984 में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) का आकर्षक करियर छोड़ दिया था। लालदुहोमा पहली बार 2003 में रातू निर्वाचन क्षेत्र से विधायक के रूप में चुने गये थे।

वकीलों के हितों को साधने वाला विधेयक लोकसभा में पारित

नई दिल्ली/वार्ता। लोकसभा ने शीतकालीन सत्र के पहले दिन वकीलों के कल्याण, उनको सुरक्षा देने तथा न्याय की दलाली रोकने के लिए 'अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक 2023' सोमवारको ध्वनि मत से पारित कर दिया।

विधि और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विधेयक पर करीब तीन घंटे चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह अंग्रेजों के समय के कानून है और मोदी सरकार पुराने कानूनों को खत्म कर रही है। उनका कहना था कि अब तक 1486 पुराने कानून समाप्त किए जा चुके हैं और कई समाप्त करने की प्रक्रिया में है। उन्होंने कहा कि इस विधायक के जरिए वकीलों के कल्याण को साधने का काम हो रहा है। उनका कहना था कि जब डॉक्टरों को सुरक्षा दी जा सकती है तो वकीलों का पेशा भी अहम है और उनको भी सुरक्षा दी जानी चाहिए। वकीलों के कल्याण के लाए गए इस विधेयक के माध्यम से उनको सुरक्षा दी जा रही है। उनका कहना था कि वकील के वेश में कई लोग न्यायालय में आते हैं और दलाली करते हैं इसलिए इस कानून के जरिए दलालों को रोकने का प्रयास किया जा रहा है।

डाकघरों का निजीकरण नहीं होगा : वैष्णव

नई दिल्ली/वार्ता। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि डाकघरों का निजीकरण नहीं किया जायेगा और सरकार की ऐसी कोई मंशा भी नहीं है। वैष्णव ने सोमवार को राज्यसभा में डाक घर विधेयक 2023 पर हुयी चर्चा का जबाव देते हुये कहा कि कुछ सदस्यों ने डाकघरों के निजीकरण किये जाने की आशंका जतायी है जो सही नहीं है। डाकघरों का निजीकरण नहीं किया जा रहा है और सरकार की ऐसी कोई मंशा भी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से डाकघर का विस्तार कर कई तरह की सेवायें शुरू करने के प्रावधान किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डाकघर अब बैंक बन चुके हैं। डाकघर के बचत खातों में 17 लाख करोड़ रुपये से अधिक जमा है।

भारत बड़े लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पूरी ताकत लगा रहा है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस मौके पर राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया।

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि भारत बड़े लक्ष्य तय करने और उन्हें हासिल करने के लिए पूरी शक्ति लगा रहा है। मोदी ने सोमवार को नौसेना दिवस के अवसर पर महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में आयोजित समारोह में कहा कि भारत बड़े लक्ष्य तय कर रहा है और इन्हें पाने के लिए पूरी ताकत भी लगा रहा है। उन्होंने कहा , भारत के पास इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक बड़ी ताकत है। ये ताकत 140 करोड़ देशवासियों के विश्वास की है। उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास विजय , शौर्य , ज्ञान और विज्ञान , कला और सृजन कौशल और समुद्री सामर्थ्य का इतिहास है।

दुनिया भर में भारत की 'विश्व मित्र' की उभरती छवि का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, आज दुनिया को भारत में विश्व मित्र का उदय होता दिख रहा है। आज स्पेस हो या फिर समंदर हर जगह दुनिया को भारत का सामर्थ्य दिख रहा है।

देश के रक्षा क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा , आज मेड इन इंडिया की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। तेजस विमान हो या किसान ड्रोन , यूपीआई सिस्टम हो या फिर चंद्रयान 3 , हर जगह , हर सेक्टर में मेड इन इंडिया की धूम है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सागरमाला के तहत बंदरगाह आधारित विकास में जुटा है। देश 'मैरीटाइम विजन के तहत अपने सागरों के पूरे सामर्थ्य का इस्तेमाल करने की ओर बढ रहा है।

सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं की भागीदारी बढाने के प्रति सरकार की वचनबद्धता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा , हम सशस्त्र बलों में नारी शक्ति की संख्या बढाने पर भी जोर दे रहे हैं। मैं नौसेना को बधाई दूंगा कि आपने युद्धपोत में देश की पहली महिला कमांडिंग अफसर की तैनाती की है।

मोदी ने कहा कि छत्रपति वीर शिवाजी महाराज से प्रेरणा लेते हुए भारत, गुलामी की मानसिकता को पीछे छोड़कर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नौसेना अपने रैंक का नामकरण भी अब भारतीय परंपराओं के अनुरूप करने जा रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वीर छत्रपति शिवाजी महाराज भी नौसेना की ताकत को पहचानते थे और उन्हें पता था कि किसी भी देश के लिए समुद्री सामर्थ्य कितना जरूरी होता है। मोदी ने इस मौके पर राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया।

इज़राइल ने करीब दो दर्जन इलाकों को खाली करने का फिर आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीर अल-बलाह (गाज़ा पट्टी)/एपी। इज़राइल ने गाज़ा पट्टी के दक्षिणी शहर खान यूनिस को खाली करने के अपने निर्देशों को सोमवार को फिर से दोहराया जहां हज़ारों विस्थापित फलस्तीनियों ने हाल के हफ्तों में शरण ली है। वहीं, इज़राइल ने क्षेत्र में अपने ज़मीनी हमले का दायरा बढ़ा दिया है और वह पूरी गाज़ा पट्टी पर बमबारी कर रहा है।

हफ्तेभर लंबे संघर्षविराम के बाद फिर से हमले शुरू हुए हैं जिनका मकसद गाज़ा के हमास शासकों को खत्म करना है। यह युद्ध सात अक्टूबर को हमास द्वारा इज़राइल पर अचानक किए गए हमले के बाद शुरू हुआ था जिसमें हज़ारों फलस्तीनी मारे गए हैं और गाज़ा पट्टी की 23 लाख की आबादी में से तीन चौथाई से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं तथा लोगों के पास कोई सुरक्षित स्थान नहीं रह गया है।

इज़राइल द्वारा समाहांत अपने वार्ताकारों को वापस बुलाए जाने के बाद एक और अस्थायी संघर्षविराम की उम्मीदें धुंधली हो गई हैं। हालांकि इज़राइल का सबसे बड़ा सहयोगी अमेरिका उस पर बड़े पैमाने पर लोगों को और विस्थापित नहीं करने तथा आम लोगों को नहीं मारने का दबाव बढ़ा रहा है और अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की क्षेत्र की यात्रा के दौरान यह संदेश रेखांकित किया गया।

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका फलस्तीनियों को गाज़ा या कब्जे वाले वेस्ट बैंक से जबरन स्थानांतरित करने या गाज़ा की सीमाओं को फिर से खींचने की अनुमति नहीं देगा।

भारतीय वायु सेना का प्रशिक्षु विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलट की मौत

नई दिल्ली/भाषा। हैदराबाद के समीप सोमवार सुबह भारतीय वायु सेना का एक प्रशिक्षु विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार दो पायलट की मौत हो गयी। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायु सेना ने दुर्घटना की वजह का पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' के आदेश दिए हैं। स्थानीय पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना तेलंगाना में मेडक जिले के तूपरन मंडल में हुई। भारतीय वायु सेना के एक अधिकारी ने कहा, ''हैदराबाद स्थित वायु सेना अकादमी से नियमित प्रशिक्षु उड़ान के दौरान एक पिलाटस पीसी 7 एमके द्वितीय प्रशिक्षु विमान आज सुबह दुर्घटनाग्रस्त हो गया।'' ''भारतीय वायु सेना अत्यंत खेद के साथ यह पुष्टि करती है कि विमान में सवार दोनों पायलट को जानलेवा चोटें आयीं।''

जीआरएसई ने नौसेना को भारत का 'अब तक का सबसे बड़ा' सर्वेक्षण पोत सौंपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड ने सोमवार को देश में बनने वाला अब तक का सबसे बड़ा सर्वेक्षण पोत – आईएनएस संधायक – भारतीय नौसेना को सौंप दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

नौसेना के लिए जीआरएसई द्वारा बनाए जा रहे चार सर्वेक्षण पोतों की श्रृंखला में पहले, आईएनएस संधायक का पांच दिसंबर, 2021 को जलावतरण किया गया था। उसके बाद से इसका परीक्षण चल रहा था।

जीआरएसई अधिकारी ने कहा कि 110 मीटर लंबे जहाज की आपूर्ति चार दिसंबर को की गई, जिसे नौसेना दिवस के रूप में मनाया जाता है।

आपूर्ति और स्वीकृति के औपचारिक दस्तावेज पर जीआरएसई के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, कमोडोर (सेवानिवृत्त) पी.आर. हरि और पोत के कमांडिंग अफसर, कमोडोर आर.एम. थॉमस ने हस्ताक्षर किये।

आईएनएस संधायक इसी नाम के एक अन्य सर्वेक्षण पोत का नया अवतार है। अधिकारी ने कहा, उस जहाज को 1981 में नौसेना में शामिल किया गया था और 2021 में सेवा मुक्त किया गया था।

चुनावी नतीजों से झूमा शेयर बाजार

सेंसेक्स-निफ्टी ने बनाए नए रिकॉर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत से उत्साहित घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 1,384 अंकों की जबर्दस्त छलांग लगाते हुए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। इस तेजी के बीच एनएसई निफ्टी भी अब तक के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

विश्लेषकों के मुताबिक, भाजपा को मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में मिले स्पष्ट बहुमत से पिछले सप्ताह जीडीपी और अन्य महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों के बेहतर रहने से जो सकारात्मक धारणा बनी थी, वह और मजबूत हुई है।

इसके अलावा, कच्चे तेल का दाम 80 डॉलर प्रति बैरल के नीचे रहने से भी निवेशक धारणा मजबूत हुई है।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,383.93 अंक यानी 2.05 प्रतिशत उछलकर अबतक के उच्चतम स्तर 68,865.12 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह रिकॉर्ड 68,918.22 अंक तक चला गया था। सेंसेक्स में 20 मई, 2022 के बाद एक दिन में आई यह सबसे बड़ी तेजी है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक निफ्टी भी 418.90 अंक यानी 2.07 अंक की बढ़त के साथ अबतक के उच्चतम स्तर 20,686.80 अंक पर बंद हुआ।

निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 44 लाभ में रहे।

सेंसेक्स कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई में सबसे ज्यादा क्रमश: 4.68 प्रतिशत और 3.99 प्रतिशत की तेजी रही। लाभ में रहने वाले अन्य प्रमुख शेयरों में लार्सन एंड टुब्रो, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं। दूसरी तरफ, विप्रो और टाटा मोटर्स नुकसान में रहे।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''तीन राज्यों में भाजपा की शानदार जीत से दोनों मानक सूचकांक रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए। बाजार में तेजी का कारण यह संकेत भी है कि अगले साल होने वाले आम चुनावों में देश में एक स्थिर सरकार बनेगी।''

नायर ने कहा, ''एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशकों) के निवेश जारी रहने की उम्मीद में सभी क्षेत्रों में तेजी रही। दुनिया के अन्य देशों में महंगाई को लेकर सकारात्मक बयान और स्थिर घरेलू वृहत आर्थिक आंकड़ों से भी बाजार को समर्थन मिला।''

एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक नुकसान में रहे।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में जर्मनी और फ्रांस में जहां तेजी रही वहीं लंदन बाजार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार में शुक्रवार को मिला-जुला रुख रहा।

इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78.37 डॉलर प्रति बैरल रहा।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 1,589.61 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

उड़ान योजना के तहत 1.30 लाख यात्रियों ने हवाई यात्रा की : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि उड़ान योजना के तहत देश भर में अब तक 1.30 लाख यात्रियों ने विमान से यात्रा की है और 2030 तक देश में कुल हवाई यात्रियों की संख्या बढ़कर 42 करोड़ हो जाने का अनुमान है।

सिंधिया ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''उड़ान योजना के तहत 1.30 लाख लोगों ने हवाई यात्रा की जिन्होंने कभी विमान में यात्रा करने के बारे में सोचा भी नहीं होगा...।'' उन्होंने नागर विमानन मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रम क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) की चर्चा करते हुए कहा कि इस योजना के लागू होने के बाद देश के वायु मानचित्र पर 76 नए हवाई अड्डे जुड़ गए हैं।

महाराष्ट्र के नांदेड़ हवाई अड्डा का जिक्र करते हुए सिंधिया ने कहा कि वह राज्य सरकार का हवाई अड्डा है जिसे उसने एक निजी कंपनी को दे दिया था। उन्होंने कहा कि नांदेड़ हवाई अड्डा से परिचालन शुरू हो गया था लेकिन बाद में परिचालन बंद हो गया।

सिंधिया ने कहा कि वहां से विमानों का परिचालन शुरू करना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। सिख समाज के लिए नांदेड़ के एक महत्वपूर्ण स्थान होने का जिक्र करते हुए नागर विमानन मंत्री ने राज्य सरकार को निजी कंपनी से वापस लेकर वहां परिचालन शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उसके बाद वहां से विमानों की आवाजाही शुरू हो जाएगी।

ट्रैकिंग के दौरान जंगल में फंसे स्कूली विद्यार्थियों, शिक्षकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्लम/भाषा। केरल के कोल्लम जिले में अचानकोविल जंगल क्षेत्र से सोमवार तड़के 32 स्कूली विद्यार्थियों सहित 35 लोगों के एक दल को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। विद्यार्थी बिना वन विभाग को सूचित किए घने जंगलों में चले गए थे जहां से लौटते वक्त वे रास्ता भटक गए।

जिले के तटीय हिस्से में करुनागाप्पल्ली के समीप एक स्कूल के विद्यार्थियों का समूह तीन दिवसीय स्काउट और गाइड प्रशिक्षण दौरे पर गया था, जिन्होंने कुम्भावुरुन्टी झरने के पास शिविर लगाया हुआ था।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विद्यार्थियों का समूह उनसे बिना मंजूरी लिए रविवार सुबह 11 बजे जंगल क्षेत्र में चला गया और कई घंटों तक भटकता रहा। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'वन विभाग ने कल (रविवार) एक बड़ा अभियान चलाया। हमें पुनालुर पुलिस और दमकल विभाग की भी मदद मिली। हमने विद्यार्थियों का पता लगा लिया और आज (सोमवार) तड़के करीब साढ़े तीन बजे उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।'

अधिकारियों ने बताया कि 15 लड़कों, 17 लड़कियों और तीन शिक्षकों के समूह को वहां नजदीकी पारिस्थितिक पर्यटन केंद्र के इलाके में शिविर लगाने और स्काउटिंग की मंजूरी प्रदान की गई थी।

अधिकारी ने बताया कि बिना हमारी मंजूरी लिए वे जंगल में साढ़े चार किलोमीटर तक अंदर चले गए और वहां फंस गए। अधिकारी के मुताबिक, भारी धुंध और बारिश की वजह से वे लौटते वक्त रास्ता भटक गए। अधिकारी ने बताया, 'उन्होंने (विद्यार्थियों के समूह) यह भी कहा कि उन्हें हाथियों की मौजूदगी का अहसास हुआ, जिसके बाद उन्होंने मदद आने तक एक चट्टान के पास रुकने का फैसला किया।'

अधिकारी ने बताया कि विद्यार्थियों के पास मोबाइल फोन थे लेकिन नेटवर्क की कमी की वजह से वे बाहर लोगों से संपर्क नहीं कर पाए।

अधिकारी ने बताया कि विद्यार्थी बिल्कुल ठीक हैं और सभी को उनके घर भेज दिया गया है।

सूत्रों ने बताया कि इस संबंध में वन विभाग के उच्च अधिकारियों को एक रिपोर्ट दी जायेगी और उसके बाद ही मामला दर्ज करने पर निर्णय लिया जायेगा।

खरगोन जीतने वाली पार्टी की ही बनती रही है सरकार, परंपरा इस बार भी रही कायम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मध्य प्रदेश के खरगोन की जनता प्रदेश का राजनीतिक मिजाज पहले ही भांप लेती है और इसीलिए ऐसा कहा जाता है कि खरगोन का गढ़ जीतने वाली पार्टी ही सत्ता तक पहुंचने में कामयाब हो पाती है। पिछले 12 विधानसभा चुनावों में चली आ रही यह परंपरा इस बार भी कायम रही।

राज्य में भाजपा ने जहां 163 सीटों पर कब्जा जमाकर अपनी सत्ता बरकरार रखी, वहीं कांग्रेस केवल 66 सीटों पर सिमट गई। खरगोन विधानसभा सीट पर भाजपा के बालकृष्ण पाटीदार ने कांग्रेस के रवि जोशी को 13,765 मतों से पराजित किया। पाटीदार को कुल 1,01,683 मत मिले वहीं जोशी को 87,918 मत मिले।

आजादी के बाद मध्य प्रदेश में अब तक कुल 16 विधानसभा चुनाव हुए हैं और इनमें से 15 बार राज्य में उसी दल की सरकार बनी है, जिसने खरगोन विधानसभा सीट पर कब्जा जमाया। वर्ष 1972 से लेकर अब तक हुए पिछले सभी 12 चुनावों में यह सिलसिला बदस्तूर जारी रहा और इस बार भी खरगोन जीतने वाली पार्टी को ही सत्ता हाथ लगी। मध्य प्रदेश विधानसभा के पिछले चुनाव (2018) में कांग्रेस ने भाजपा के 15 वर्षों के शासन का अंत किया था और फिर से राज्य की सत्ता में लौटी थी। खरगोन की जनता ने प्रदेश का राजनीतिक मिजाज पहले ही भांप लिया था। उसने भाजपा उम्मीदवार को नकार दिया। कांग्रेस के रवि जोशी ने यहां से लगातार दो बार चुनाव जीतने वाले बालकृष्ण पाटीदार को पटखनी दी।

इस चुनाव में जीत के बाद कांग्रेस सरकार का नेतृत्व कमलनाथ के हाथों में आया। हालांकि, उनकी सरकार पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर सकी। ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत के बाद कमलनाथ की सरकार गिर गई और भाजपा फिर सत्ता में लौटी। शिवराज सिंह चौहान चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने।

खरगोन के अलावा राज्य की तीन विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां पिछले नौ विधानसभा चुनावों में क्षेत्र की जनता ने जिसे चुना, उसी दल की राज्य में सरकार बनी।

ओएनडीसी ने ई-कॉमर्स समाधानों को बढ़ावा देने को 'बिल्ड फॉर भारत' पहल शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) ने सोमवार को 'बिल्ड फॉर भारत' पहल की घोषणा की। इसका उद्देश्य ई-कॉमर्स में विविध चुनौतियों से निपटते हुए इस क्षेत्र में व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए औद्योगिक नवोन्मेष को बढ़ावा देना है। आधिकारिक बयान के अनुसार ओएनडीसी ने यह पहल गूगल क्लाउड इंडिया, एंटलर इन इंडिया, पेटीएम, प्रोटीन और स्टार्टअप इंडिया के सहयोग से की है।

'बिल्ड फॉर भारत' का इरादा स्टार्टअप्स, कंपनियों और कॉलेज से आने वाले दो लाख से अधिक प्रतिभागियों की अपेक्षित भागीदारी के साथ भारत की तकनीकी और उद्यमशीलता क्षमता का लाभ उठाना है। यह पहल देश में 50 से अधिक शहरों में की गई है।

अर्थव्यवस्था में पर्यटन के योगदान को बढ़ाने के लिए मसौदा नीति तैयार की गयी : रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पर्यटन मंत्रालय ने संबंधित हितधारकों के परामर्श से राष्ट्रीय पर्यटन नीति, 2023 का एक मसौदा तैयार किया है, जिसका उद्देश्य यात्रा, प्रवास और व्यय बढ़ाकर भारतीय अर्थव्यवस्था में पर्यटन के योगदान को बढ़ाना और भारत को साल भर यात्रा के अनुकूल एक पर्यटन केंद्र बनाना है।

यह जानकारी केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में सोमवार को दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्यटन नीति, 2023 के मसौदे का एक और रणनीतिक उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र में रोजगार और उद्यमशीलता के अवसर पैदा करना और कुशल कामगारों की आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देना तथा निजी क्षेत्र से निवेश आकर्षित करना भी इसका उद्देश्य है।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में रेड्डी ने कहा कि पर्यटन मंत्रालय पर्यटन क्षेत्र के समक्ष नया दृष्टिकोण रखने के लिए राज्य सरकारों से बातचीत के वास्ते समय-समय पर वहां के पर्यटन मंत्रियों के साथ सम्मेलन और बैठकें आयोजित करता है।

सुधारों को धीमा कर सकती है विरोध वाली राजनीति: फिच रेटिंग्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। फिच रेटिंग्स ने अगले कुछ महीनों में कई देशों में संभावित आम चुनावों के संदर्भ में सोमवार को कहा कि विरोध वाली राजनीति सुधारों को धीमा करने के साथ नीति निर्माण को पटरी से उतार सकती है। इसके अलावा विवादास्पद चुनावों से अल्पावधि वृद्धि को प्राथमिकता मिल सकती है।

रेटिंग एजेंसी फिच ने अपने 'वैश्विक सरकारी परिदृश्य 2024' रिपोर्ट में कहा है कि वर्ष 2024 में भारत और अमेरिका के अलावा बांग्लादेश, क्रोएशिया, डोमिनिकन गणराज्य, अल साल्वाडोर, इंडोनेशिया, कोरिया, मेक्सिको, पाकिस्तान, पनामा, रोमानिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका समेत कई देशों में चुनाव होने वाले हैं। वहीं ब्रिटेन में चुनाव जनवरी 2025 के अंत से पहले होने की उम्मीद है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक, विरोध वाली राजनीति सुधारों को धीमा कर सकती है और नीति निर्माण को पटरी से उतार सकती है। विवादास्पद चुनाव दीर्घकालिक संरचनात्मक पहलों पर अल्पावधि वृद्धि को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं।

फिच ने कहा कि मुद्रास्फीति के कम होने से भी सत्तारूढ़ दलों को अधिक फायदा नहीं होगा क्योंकि ज्यादातर देशों में कीमतें महामारी-पूर्व के स्तर से काफी ऊपर बनी हुई हैं। इसके अलावा वर्ष 2024 में भी दो प्रमुख संघर्षों के बने रहने से अंतर्राष्ट्रीय माहौल खराब हो गया है जिनमें से कोई भी दीर्घकालिक मुद्दों को हल करने की स्थिति में नहीं है। इन संघर्षों के बढ़ने से तेल की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि होने की आशंका है जिसका तेल निर्यातकों और आयातकों पर ऋण संबंधी प्रभाव पड़ सकता है। फिच के मुताबिक, अमेरिका-चीन के प्रभाव क्षेत्रों से जुड़ी तनातनी वैश्विक व्यापार के विस्तार और सीमाओं के पार पूंजी की निर्बाध तैनाती के लिए अनुकूल नहीं हैं लेकिन इसमें वर्ष 2024 में मामूली सुधार या गिरावट हो सकती है। फिच ने कहा कि वास्तविक जीडीपी वृद्धि और वास्तविक ब्याज दरें सरकारी ऋण के लिए महत्वपूर्ण दो वृहद-आर्थिक कारक हैं। वैश्विक आर्थिक वृद्धि 2023 के लगभग तीन प्रतिशत से घटकर वर्ष 2024 में लगभग दो प्रतिशत हो जाएगी। फिच ने कहा, उम्मीद है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में तेजी से सुस्ती आएगी लेकिन मंदी से बची रहेगी।

चुनावी नतीजों से निराश नहीं, जल्द लोकसभा की चुनाव की तैयारियों में जुटेंगे: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि वह विधानसभा चुनावों के नतीजों से निराश नहीं है तथा जल्द ही लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाएगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि कांग्रेस दृढ़ संकल्पित है तथा आगे लड़ाई जारी रखेगी।

रमेश ने यह भी कहा कि छह दिसंबर की शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर बुलाई गई 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की बैठक अनौपचारिक है तथा आगे औपचारिक बैठक भी होगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''तेलंगाना की जीत के बावजूद चुनाव नतीजे निराशाजनक हैं, लेकिन हम निराश नही हैं। नतीजों का विश्लेषण हो रहा है।'' रमेश ने कहा, ''हमारा संकल्प दृढ़ है। हम लड़ेंगे। लोकसभा चुनाव के लिए तैयारी जल्द शुरू हो जाएगी। छह दिसंबर की शाम मल्लिकार्जुन खरगे ने 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के नेताओं की अनौपचारिक बैठक बुलाई है।'' उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी।

हिमाचल के शहरों में सर्वाधिक 33.9 प्रतिशत बेरोजगारी, गुजरात में सबसे कम: सर्वेक्षण

नई दिल्ली/भाषा। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 15 से 29 वर्ष के उम्र समूह के बीच हिमाचल प्रदेश शहरी इलाकों में 33.9% प्रतिशत बेरोजगारी दर के साथ सबसे आगे रहा जबकि 30.2% बेरोजगारी के साथ राजस्थान दूसरे स्थान पर रहा। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के जुलाई-सितंबर, 2023 तिमाही के लिए श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आंकड़ों से यह तथ्य सामने आया है। इससे यह भी पता चला है कि शहरी क्षेत्रों में 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में बेरोजगारी दर बीती तिमाही में हिमाचल प्रदेश में 49.2 प्रतिशत के साथ सर्वाधिक रही जबकि पुरुषों की बेरोजगारी दर 25.3 प्रतिशत थी। राजस्थान के मामले में इस तिमाही में शहरों में महिलाओं में बेरोजगारी दर 39.4% थी, जबकि पुरुषों में यह 27.2 प्रतिशत थी।

बघेल ने हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के प्रचार अभियान का वित्तपोषण किया: जयराम ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सोमवर को कहा कि ऐसे आरोप हैं कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महादेव ऐप घोटाले से मिले पैसे से' हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रचार अभियान का वित्तपोषण किया।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के चलते बघेल द्वारा मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद ठाकुर ने कांग्रेस नेता को निशाना बनाया। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष ने यहां पत्रकारों से कहा, आरोप हैं कि नवंबर 2022 में हुए हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के प्रभारी भूपेश बघेल ने 'महादेव ऐप घोटाले' के माध्यम से प्राप्त धन से कांग्रेस पार्टी का वित्तपोषण किया और जांच से सच्चाई सामने आ जाएगी।

भारत और दुबई के बीच हवाला लेनदेन के माध्यम से धनशोधन करने के आरोप को लेकर महादेव सट्टेबाजी ऐप प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रडार पर है।

ईडी ने तीन नवंबर को दावा किया था कि फोरेंसिक विश्लेषण और 'पैसा पहुंचाने वाले व्यक्ति' (कैश कूरियर)द्वारा दिए गए एक बयान के कारण इस तरह के आरोप सामने आए कि महादेव सट्टेबाजी ऐप के प्रवर्तकों ने बघेल को लगभग 508 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। ईडी द्वारा गिरफ्तार किए गए एक कथित कूरियर ने बाद में एक विशेष अदालत के समक्ष कहा था कि उसे एक साजिश के तहत फंसाया गया है और उसने कभी राजनीतिक नेताओं को पैसा नहीं पहुंचाया है।

ठाकुर ने कहा कि भाजपा ने छत्तीसगढ़ में जीत हासिल की जहां कांग्रेस सरकार के तहत कई घोटाले हुए थे। ठाकुर ने कहा कि तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की जीत लोकसभा चुनाव के लिहाज से एक 'ट्रेलर' है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारी बहुमत के साथ लगातार तीसरी बार जीत हासिल करेगी।

21 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों ने मॉडल विधेयक की तर्ज पर भूजल कानून लागू किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री बिश्वेश्वर टुडू ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि 15 राज्यों और छह केंद्र शासित प्रदेशों ने केंद्र द्वारा वितरित मॉडल विधेयक की तर्ज पर भूजल कानून लागू किए हैं।

उच्च सदन में एक सवाल के लिखित जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उपयुक्त भूजल कानून बनाने में मदद करने के लिए एक मॉडल विधेयक वितरित किया है, जिसमें वर्षा जल संचयन का प्रावधान शामिल है। उन्होंने कहा कि अब तक 21 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों ने मॉडल विधेयक की तर्ज पर भूजल कानून को अपनाया और लागू किया है।

मंत्री ने कहा कि केंद्र वित्तीय और तकनीकी सहायता के माध्यम से राज्य सरकारों के प्रयासों को सुविधाजनक बना रहा है, भले ही पानी राज्य का विषय है और भूजल संसाधनों का विकास और प्रबंधन मुख्य रूप से राज्यों की जिम्मेदारी है।

आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, गोवा, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भूजल के संबंध में कानून लागू किया गया है।

मंत्री ने उच्च सदन को बताया कि भूजल के संबंध में कानून लागू करने वाले केंद्र शासित प्रदेशों में चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, लक्षद्वीप और पांडिचेरी शामिल हैं।

जल जीवन मिशन के तहत अब 71% ग्रामीण घरों में पेयजल के कनेक्शन : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को बताया कि देश भर में लगभग 71 प्रतिशत ग्रामीण घरों में अब जल शक्ति मिशन के तहत नल का पानी कनेक्शन है।

केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि नौ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों - गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और तेलंगाना, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, दादरा नगर हवेली और दमन दीव तथा पुडुचेरी ने खबर दी है कि उन्होंने 30 सितंबर तक सभी ग्रामीण घरों में नल से पानी के लिए कनेक्शन प्रदान कर दिया है।

पटेल के अनुसार, 15 अगस्त, 2019 को जल जीवन मिशन की घोषणा के समय, 3.23 करोड़ (17 प्रतिशत) ग्रामीण घरों में पानी का कनेक्शन होने की सूचना मिली थी।

मंत्री ने कहा कि राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार, अब तक, 10.46 करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि 29 नवंबर तक, देश के 19.24 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से लगभग 13.69 करोड़ परिवारों के घरों में नल से पानी की आपूर्ति होने की सूचना है, जो लगभग 71 प्रतिशत है। सरकार की इस प्रमुख पहल का लक्ष्य 2024 तक ग्रामीण भारत के सभी घरों में व्यक्तिगत नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है।

‘मिगजाँम’ चक्रवात के चलते चेन्नई में भारी बारिश से कई इलाके जलमग्न

कैथेड्रल रोड के पास सड़क धंसने से ट्रांसफार्मर गिरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में भारी बारिश के बीच, कैथेड्रल रोड के पास कस्तूरी रंगन तीसरी स्ट्रीट में एक सिंकहोल बन गया। एक ट्रांसफार्मर ढहता हुआ दिखाई दिया। घटना दोपहर करीब साढ़े तीन बजे की है। एनडीआरएफ ने आसपास रहने वाले निवासियों को खाली करने का आदेश दिया।

वेलाचेरी में फाइव फर्लांग रोड जंक्शन के पास एक और सिंकहोल बन गया जब एक निर्माणाधीन इमारत ढह गई। रिपोर्टों के अनुसार, इमारत के अंदर कम से कम 10 लोगों के फंसे होने की आशंका है और बचाव अभियान जारी रहा। इसके अलावा, ईस्ट कोस्ट रोड पर कनाथुर में एक नवनिर्मित दीवार गिर गई, जिससे दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृत व्यक्तियों की पहचान झारखंड के निवासियों के रूप में की गई और आगे की जांच जारी है।

पिछले 24 घंटों में चेन्नई के कई हिस्सों में 20 सेमी से अधिक बारिश हुई। चक्रवात मिचौंग के कारण भारी बारिश हुई। 4 दिसंबर को शाम 4 बजे तक, चक्रवात मिचौंग पोन्नेरी–श्रीहरिकोटा बेल्ट के पास समुद्र में है। 5 दिसंबर को सुबह 11:30 बजे नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच टकराने से पहले इसके उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ने की उम्मीद है।

वर्ष 2015 की बाढ़ के बाद सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई : वर्ष 2015 में बारिश और उसके बाद आई बाढ़ के बाद से चेन्नई में सबसे अधिक बारिश हुई है। मौसम ब्लॉगर प्रदीप जॉन ने कहा चेन्नई 2015 की बाढ़ के बाद से सबसे बड़ी वर्षा घटना देख रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) से मिली जानकारी के अनुसार, मीनांबक्कम में 3 दिसंबर से 4 दिसंबर दोपहर 1.30 बजे तक 415 मिमी बारिश हुई है, जबकि इसी अवधि के दौरान नुंगमबक्कम में 390 मिमी बारिश हुई है। 1 दिसंबर 2015 को, 24 घंटे की अवधि में 494 मिमी बारिश होने के बाद शहर में भारी बाढ़ आ गई थी जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 250 लोगों की मौत हो गई। चेन्नई को 2 दिसंबर 2015 को आपदा क्षेत्र घोषित किया गया था।नवंबर 2015 में, शहर में कुल मिलाकर 1049.3 मिमी बारिश हुई थी, जो 1918 के बाद से हुई सबसे अधिक बारिश थी।

2015 के बाद से, चेन्नई में 2021 में भी भारी बारिश हुई, जब शहर के कई हिस्सों में 24 घंटों की अवधि में 200 मिमी से अधिक बारिश हुई। 6 नवंबर, 2021 को चेन्नई के डीजीपी कार्यालय स्टेशन पर 230 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि नुंगमबक्कम में 215 मिमी बारिश हुई।

‘मिगजाँम’ चक्रवात के चलते चेन्नई से 33 उड़ानें बेंगलूरु की ओर मोड़ी गईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/बेंगलूरु। ‘मिगजॉम’ चक्रवात के चलते तमिलनाडु में भारी बारिश के बीच सोमवार को 33 उड़ानें चेन्नई से यहां केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) की ओर मोड़ दी गईं। केआईए का संचालन करने वाली बेंगलूर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (बीआईएएल) के अधिकारियों ने बताया कि इंडिगो, स्पाइसजेट, एतिहाद, लुफ्थांसा और गल्फ एयर की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को चेन्नई से बेंगलूरु की ओर मोड़ दिया गया है। चेन्नई में कई उड़ान रद्द की जा चुकी हैं।

प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों के चलते चेन्नई हवाई अड्डा पर उड़ानों की आवाजाही सोमवार रात 11 बजे तक के लिए बंद है। लगातार बारिश के चलते हवाई अड्डे पर आने–जाने वाली लगभग 70 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। बीआईएएल के एक अधिकारी ने बताया, कई उड़ानों को चेन्नई से केआईए की ओर मोड़ दिया गया है। चेन्नई हवाई अड्डे ने भी घोषणा की है कि विशिष्ट अवधि तक आवागमन बंद रहेगा। चेन्नई ही नहीं, तिरुपति, विशाखापत्तनम समेत विभिन्न क्षेत्रों में भी मौसम प्रतिकूल है। इसलिए, कई उड़ानों में देरी हुई है और कई को रद्द किया जा चुका है। हम यात्रियों को अपनी संबंधित उड़ानों की स्थिति के बारे में जानकारी लेते रहने की सलाह देते हैं। अब तक, चेन्नई से 33 उड़ानें यहां केआईए की ओर मोड़ दी गई हैं।

रायचूर जिले की 7 परिवहन इकाइयों को मिलेगी 107 नई बसें : रामलिंगारेड्डी

बेलगावी/दक्षिण भारत। कनार्टक के परिवहन और मुजराई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने सुवर्णसौधा में आयोजित सत्र में बताया कि रायचूर जिले की 7 परिवहन इकाइयों को 107 नई बसें प्रदान की गई हैं और जिले को आवश्यकता के अनुसार और नई बसें प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने विधानसभा में विधायक बसवनगौड़ा दद्दल द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह बात कही। उन्होंने बताया कि 250 पूरी तरह से बख्तरबंद एक्सप्रेस ट्रांसपोर्ट की खरीद को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि डीएलटी वित्तीय सहायता से 93 पूर्णकवच निर्मित सिटी ट्रांसपोर्ट बसों की खरीद की मंजूरी मिल गई है और खरीद प्रक्रिया चल रही है।

किसानों के कृषि पंपसेटों के लिए प्रतिदिन 7 घंटे तीन फेज बिजली दी जाएगी : प्रियांक खरगे

बेलगावी/दक्षिण भारत। सुवर्णसौधा में चल रहे विधानसभा सत्र में राज्य के ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि वर्तमान में राज्य की बिजली आपूर्ति कंपनियों के तहत किसानों के कृषि पंप सेटों को प्रतिदिन 7 घंटे तीन फेज की बिजली की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने ऊर्जा मंत्री की ओर से विधान परिषद में सदस्य चलावली नारायणस्वामी द्वारा पूछे गये सवाल का जवाब दिया। उन्होंने बताया कि किसानों के पंपसेटों पर 7 घंटे थ्री–फेज बिजली की आपूर्ति की जा रही है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में मांग के कारण धान और गन्ने की फसल की कटाई से पहले की अवधि के दौरान 7 घंटे से अधिक बिजली की आपूर्ति की जा रही है। कुछ क्षेत्रों में स्थानीय आवश्यकता के अनुसार दिन में 4 घंटे तथा रात में 3 घंटे सहित 7 घंटे विद्युत आपूर्ति की जा रही है।

मासिक धर्म जागरुकता कार्यक्रम चलाया जाएगा : दिनेश गुंडूराव

बेलगावी/दक्षिण भारत। राज्य के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडुराव ने सुवर्णसौधा में चल रहे विधानसभा सत्र में कहा कि राज्य में मासिक धर्म और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक स्वच्छता कार्यक्रम बनाया गया है और इसके तहत विभिन्न कार्यक्रम चलाए गए हैं। सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों/कॉलेजों में 10 से 18 वर्ष की आयु वर्ग की 19.30 लाख छात्राओं को स्कूलों और छात्रावासों में 40 करोड़ रु. की लागत से सैनिटरी नैपकिन पैड वितरित करने के उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने विधान परिषद में सदस्य केए थिप्पेस्वामी के एक सवाल का जवाब में यह जानकारी दी। स्वच्छता कार्यक्रम के तहत किशोरियों में मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा की जा रही है। किशोरियों को सेनेटरी नैपकिन के प्रयोग एवं प्रयोग के बारे में जानकारी दी जा रही है। समुदाय में और विशेष रूप से किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में दृष्टिकोण बदलना है। उन्होंने कहा कि सैनिटरी नैपकिन के प्रावधान के माध्यम से इसके उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता है और मासिक धर्म के वैज्ञानिक प्रबंधन पर मार्गदर्शन दिया जाता है।

बेलगावी में सुवर्णसौधा में विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरु

सदस्यों ने दिवंगत गणमान्य व्यक्तियों के प्रति प्रस्तुत की संवेदनाएँ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक की 16वीं विधानसभा का दूसरा सत्र सोमवार से बेलगावी के सुवर्णसौधा में शुरू हो गया है। विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर और सदन के सदस्यों ने संविधान की प्रस्तावना पढ़कर विधानसभा की कार्यवाही शुरू की। स्पीकर यूटी खादर ने पूर्व स्पीकर डीबी चंद्रगौड़ा, पूर्व मंत्री श्रीरंग देवरायलू, पूर्व विधायक सी. वेंकटेशप्पा, श्रीकांत शेट्टप्पा भीमन्नावरा, विलासबाबू अलमेकर, उत्तर पूर्वी राज्यों के पूर्व राज्यपाल पीबी आचार्य और हाल ही में एक आतंकवादी हमले में मारे गए कर्नाटक के मेंगलूर जिले के कैप्टन एमवी प्रांजल, कैप्टन शुभम गुप्ता, हवलदार अब्दुल माजिद, लांस नायक संजय बिस्ट और पैराट्रूपर सचिन लौर के प्रति शोक प्रस्ताव पेश किया।

शोक प्रस्ताव पर बोलते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि डीबी चंद्रगौड़ा एक महान व्यक्ति थे। उन्हें सदन की गतिविधियों के बारे में व्यापक जानकारी थी। अजातमित्र भी थे और अजातशत्रु भी। उन्होंने कहा कि उनके साथ उनका जुड़ाव हमेशा यादगार रहेगा। उन्होंने कहा कि विजयनगर साम्राज्य के शाही परिवार से संबंधित गंगावती तालुक के श्रीरंगदेवरायलु एक सरल व्यक्तित्व वाले राजनीतिज्ञ थे जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई जनहित के कार्य किये और जनता के मन में विशिष्ट जगह बनाई। उन्होंने पूर्व विधायक सी. वेंकटेशप्पा, श्रीकांत शेट्टप्पा भीमन्नावरा, विलासाबाबू अलमेकर, पूर्व राज्यपाल पीबी आचार्य के निधन पर भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने 22 नवंबर को जम्मू–कश्मीर के राजौरी जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए कैप्टन एमवी प्राजल को याद करते हुए कहा कि छोटी सी उम्र में देश सेवा के लिए उनका बलिदान महान है। जब कैप्टन एमवी प्राजल का पार्थिव शरीर बेंगलूरु पहुंचा तो वह व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित दी थी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता, हवलदार अब्दुल माजिद, लांस नायक संजय बिस्ट और पैराट्रूपर सचिन लॉर की आत्मा को भगवान शांति दे।

विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि डीबी चंद्रगौड़ा राज्य के गुप्त राजनेता थे। राजनीतिक हलकों में उन्हें ‘डीबीसी’ के नाम से जाना जाता था। मैं कई राजनीतिक मामलों के लिए डीबी चंद्रगौड़ा के पास जाता था और जानकारी लेता था। डीबी चंद्र गौड़ा ने लोकसभा चुनाव लड़ने और जीतने के लिए इंदिरा गांधी के लिए सीट का त्याग कर दिया था।

भाजपा की ओर से उन्होंने बेंगलूरु से लोकसभा का चुनाव भी लड़ा और जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि डीबी चंद्र गौड़ा को विधानसभा, परिषद, लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य के रूप में कार्य करने पर गर्व है। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष रहे पूर्व राज्यपाल पीबी आचार्य के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों में शैक्षिक प्रगति में योगदान दिया है। देश में आतंकवाद की घटनाओं पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है। हालाँकि, उग्रवादियों का दमन सीमा पर नहीं रुकता। अशोक ने कहा कि देश के लोग कैप्टन एमवी प्राजल और उनके साथी सैनिकों के बलिदान को नहीं भूलेंगे जिन्होंने आतंकवादियों से बहादुरी से लड़ाई लड़ी। पूर्व मंत्री श्रीरंगदेवरायलु, पूर्व विधायक सी. वेंकटेशप्पा, श्रीकांत शेट्टप्पा भीमन्नवरा, विलासबाबू अलामेकर को भी उन्होंने याद किया। शोक प्रस्ताव पर गृहमंत्री डॉ. जी परमेश्वर, पिछड़ा वर्ग कल्याण और कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग मंत्री शिवराज थंगदागी, विधायक अरागा ज्ञानेंद्र, एचके पाटिल, विजयेंद्र, जनार्दन रेड्डी, बसवराज रायरेड्डी, बीआर पाटिल, विधायक नयना, मोटम्मा और अन्य विधायकों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। सदन में मृतकों के सम्मान में एक मिनट का मौन भी रखा गया।

‘गारंटी’ से ही तेलंगाना में कांग्रेस और मध्य प्रदेश में भाजपा जीती : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस की ‘गारंटी’ का उद्देश्य चुनाव जीतना नहीं बल्कि गरीबों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है । रविवार को घोषित चार राज्यों के चुनाव नतीजों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में जीत हासिल की। कांग्रेस ने तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को सत्ता से हटाकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया।

कांग्रेस ने तेलंगाना में चुनाव प्रचार के लिए कर्नाटक के नेताओं की अपनी टीम तैनात की थी। तेलंगाना चुनावों से पहले कर्नाटक सरकार ने अपनी ‘गारंटी’ की ‘सफलता’ का प्रचार करते हुए वहां के मतदाताओं को आश्वासन दिया था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो उन्हें भी वही लाभ मिलेगा। सिद्धरमैया ने पत्रकारों से बातचीत में उन विश्लेषणों को खारिज कर दिया कि चार राज्यों के चुनावों में ‘गारंटी’ काम नहीं आई। उन्होंने सवाल किया, अगर गारंटी काम नहीं करती तो हम तेलंगाना में कैसे जीत गए? मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी वहां गारंटी की घोषणा की थी। उनकी पार्टी (भाजपा) वहां कैसे जीत गई? हालांकि, सिद्धरमैया ने यह भी कहा कि ये ‘गारंटी’ चुनाव जीतने के लिए नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने लोगों को उनकी जाति और धर्म से परे सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए ये कार्यक्रम तैयार किए। हमने इन कार्यक्रमों को गारंटी कहा है। ये आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए हैं।

‘वेड को आउट करने के बाद विश्वास हो गया था कि हम मैच जीत सकते हैं’

बेंगलूरु। पहले तीन ओवर में 37 रन लुटाने के बाद अंतिम ओवर में शानदार वापसी करने वाले तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मैथ्यू वेड को आउट करने के बाद उन्हें विश्वास हो गया था कि भारत पांचवा और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच जीत सकता है। अर्शदीप को चिन्नास्वामी स्टेडियम की मुश्किल पिच पर अंतिम ओवर में 10 रन का बचाव करने का जिम्मा सौंपा गया। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अपने बाउंसर और यार्कर का अच्छा इस्तेमाल करके भारत को 6 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इससे भारत ने पांच मैच की श्रृंखला 4–1 से जीती।

अर्शदीप ने तीसरी गेंद पर वेड को श्रेयस अय्यर के हाथों कैच करा कर भारत को वापसी दिलाई। इस तेज गेंदबाज को लगता है कि इससे भारत का पलड़ा भारी हो गया था। उन्होंने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,मुझे नहीं लगता कि परिस्थितियां गेंदबाजों के अनुकूल थी क्योंकि मैंने बहुत ढीली गेंदें की। अर्शदीप से पूछा गया कि जब कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उन्हें अंतिम ओवर करने के लिए दिया तो वह कैसा महसूस कर रहे थे, उन्होंने कहा,मैं केवल यही सोच रहा था कि मेरे पास गंवाने के लिए कुछ भी नहीं है क्योंकि मैं पहले ही काफी रन लुटा चुका था। सूर्या भाई ने भी यही बात कही कि देखते हैं क्या होता है। उन्होंने कहा,मुझे लग रहा था कि मैं बाउंसर करके वेड के दिमाग में संदेह पैदा कर सकता हूं और जब मैंने उसका विकेट लिया तो मुझे विश्वास हो गया था कि हम मैच जीत सकते हैं। इस तेज गेंदबाज ने सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व कौशल की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा,सूर्या भाई हमें काफी स्वतंत्रता देते हैं। हम इस श्रृंखला में पहले बल्लेबाजों के लिए अनुकूल पिचों पर खेले हैं लेकिन वह कहते रहे कि जहां चुनौतियां हैं वहां अवसर भी जरूर होंगे। अर्शदीप ने कहा,वह हमसे कहते रहे की परिणाम को लेकर चिंता मत करो तथा प्रक्रिया पर ध्यान दो। उन्होंने हम पर कभी दबाव नहीं बनाया।

कर्नाटक के मराठी भाषी क्षेत्रों को महाराष्ट्र में शामिल करने की मांग को लेकर एमईएस-शिवसेना का धरना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी/दक्षिण भारत। महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के शिनोली में महाराष्ट्र एकीकरण समिति के सदस्यों ने शिवसेना (यूबीटी) के सहयोग से कर्नाटक के मराठी भाषी क्षेत्रों को प्रदेश में शामिल किये जाने की मांग करते हुये धरना दिया।

समिति के एक नेता ने यह जानकारी दी। संगठन का यह धरना इस सीमाई जिले में ऐसे समय में हुआ है, जब कर्नाटक विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरूआत हुयी है। एमईएस कर्नाटक के कई मराठी भाषी क्षेत्रों और गांवों को माराष्ट्र में मिलाने की मांग कर रही है।

एमईएस के संयोजक सूरज कंबरकर ने बताया, हम बेलगावी में प्रदर्शन नहीं कर सके, क्योंकि पुलिस ने हमें अनुमति देने से इनकार कर दिया था, लेकिन हमने महाराष्ट्र के शिनोली में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन स्थल पर महाराष्ट्र समर्थक नारे लगाए और मांग की कि महाराष्ट्र की सीमा से लगे बेलगावी में ‘सुवर्ण विधान सौध’ में चल रहे विधानसभा सत्र को तुरंत रोका जाए, जहां सरकार शीतकालीन सत्र आयोजित करती है।

राजस्थान के 14 जिलों में बारिश, कई जिलों में छाया रहा कोहरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान में रविवार देर शाम दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में अच्छी बारिश हुई। जयपुर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर और अजमेर संभाग के कई जिलों में एक से दो इंच तक बरसात हुई। सबसे ज्यादा बरसात बूंदी जिले के नैंनवा में हुई। बादल और बारिश के कारण राजस्थान के कई शहरों में दिन में सर्दी बढ़ गई। चित्तौड़गढ़, उदयपुर, कोटा, भीलवाड़ा में अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। मौसम केन्द्र जयपुर ने आज भी पूर्वी राजस्थान के भरतपुर संभाग के जिलों में हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया है।

प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल रहा है। कहीं घना कोहरा छाया हुआ है तो कहीं बारिश हो रही है। ऐसे में बार-बार मौसम का मिजाज बदल रहा है। रविवार को राजधानी जयपुर में देर रात तक बारिश का दौर चला तो सोमवार सवेरे सूर्यदेव ने दर्शन किए। राजधानी जयपुर के नजदीक दूदू कस्बे में सोमवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। गुजरे 24 घंटे के दौरान राजसमंद, करौली, धौलपुर, जयपुर, चित्तौड़गढ़, बारां, बूंदी, सवाई माधोपुर, बांसवाड़ा, झालावाड़, अजमेर, भरतपुर, दौसा, जोधपुर समेत अन्य जिलों में बारिश हुई। सबसे ज्यादा बरसात बूंदी के नैंनवा में 60 मिमी यानी दो इंच से ज्यादा बरसात हुई। सवाई माधोपुर के खंडार, मलारना डूंगर, करौली में श्रीमहावीरजी, सपोटरा, राजसमंद के गिलुंड, धौलपुर के सरमथुरा, दौसा के लालसोट, चित्तौड़गढ़ के बेंगू में एक-एक इंच से ज्यादा बरसात हुई।

उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में मौसम साफ रहा। श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर के ग्रामीण एरिया में सोमवार सुबह कोहरा छाया रहा।

पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू में आज न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस मापा गया। जयपुर के शहरी इलाके में रविवार देर रात अच्छी बरसात हुई। सी-स्कीम, सिविल लाइंस, टोंक फाटक, सहकार मार्ग समेत कई जगह सड़कों पर पानी भर गया। ग्रामीण इलाके के फागी में सबसे ज्यादा बारिश 3.5 मिमी हुई। इसी तरह कोटखावदा, चाकसू में 2-2, फुलेरा, नरैना, सांभर, कोटपूतली, सांगानेर एरिया में एक-एक मिलीमीटर बारिश हुई। जयपुर में कल दोपहर करीब 1 बजे से मौसम बदल गया। आसमान में बादल छाने के बाद हल्की बूंदाबांदी शुरू हो गई, जो देर रात तक जारी रही। सोमवार सुबह जयपुर में में मौसम साफ रहा और हल्की धूप भी निकली।

सोमवार सवेरे तक सुल्तानपुर (कोटा) में 23, दीगोद (कोटा) में 20, लाडपुरा (कोटा) में 18, गिलुंड (राजसमंद) में 29, नाथद्वारा (राजसमंद) में 10, देलवाड़ा (राजमसंद) में 10, श्रीमहावीरजी (करौली) में 33, सपोटरा (करौली) में 28, हिंडौन (करौली) में 16, लोहारिया (बांसवाड़ा) में 21, पचपहाड़ (झालावाड़) में 27, खानपुर (झालावाड़) में 26, नैंनवा (बूंदी) में 60, हिंडोली (बूंदी) में 39, बूंदी में 30, सवाई माधोपुर में 36, खंडार (सवाई माधोपुर) में 38, मलारना डूंगर (सवाई माधोपुर) में 27, धौलपुर में 30, सरमथुरा (धौलपुर) में 39, बसेड़ी (धौलपुर) में 20, सावर (अजमेर) में 22, केकड़ी (अजमेर) में 10, रूपवास (भरतपुर) में 10, उच्चैन (भरतपुर) में 9, लालसोट (दौसा) में 32, बैंगू (चित्तौड़गढ़) में 44, कपासन (चित्तौड़गढ़) में 22, चित्तौड़गढ़ में 22, अंता (बारां) में 20, शाहबाद (बारां) में 16, सागवाड़ा (डूंगरपुर) में 30 और आसपुर (डूंगरपुर) में 30 मिमी बारिश मापी गई।

राजस्थान के विधानसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार चार महंतों की जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर चुनावी समर में उतरे चार महंत विधायक चुने गए हैं। पार्टी ने कांग्रेस द्वारा कथित तौर पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण के मुद्दे को उठाते हुए हिंदुत्व के मुद्दे पर मतदाताओं को लुभाया था। राज्य के इतिहास में संभवत: पहली बार चार महंत एक साथ राज्य विधानसभा में नजर आएंगे। इनमें हवामहल से बालमुकुंद आचार्य, पोकरण से महंत प्रताप पुरी, सिरोही से ओटाराम देवासी और तिजारा से बाबा बालक नाथ शामिल हैं। देवासी पहले भी विधायक रह चुके हैं और वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली पिछली भाजपा सरकार में मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं। अन्य तीनों विधायक विधानसभा में नए हैं।

अलवर से सांसद बाबा बालकनाथ तिजारा सीट से जीते हैं और अक्सर अपनी टिप्पणियों से विवादों में रहे हैं। हवामहल सीट से निर्वाचित बालमुकुंद आचार्य इलाके में मंदिरों के विध्वंस के खिलाफ एक अभियान शुरू करने को लेकर चर्चा में आए थे। आचार्य का एक वीडियो सोमवार को सामने आया जिसमें वह कथित तौर पर अपने निर्वाचन क्षेत्र के चांदी की टकसाल इलाके में सड़क किनारे 'नॉन वेज' भोजन बेचने वाली दुकानों को हटाने का निर्देश एक

अधिकारी को फोन पर देते हुए नजर आ रहे हैं। इसमें वह कह रहे हैं,''क्या सड़क पर खुले में नॉनवेज बेच सकते हैं? हां या ना में जवाब दें। क्या आप उनका समर्थन कर रहे हैं?

वह कह रहे हैं,''चांदी की टकसाल इलाके में सड़क किनारे नॉन वेज बेचने वाली दुकानों को हटाएं। उनके लाइसेंस चैक करें। मैं शाम को आपसे रिपोर्ट लूंगा। रिपोर्ट आप मुझे देंगे या मुझे लेने आपके पास आना होगा? उन्हें फोन पर यह कहते हुए सुना जा सकता है,सड़कों के किनारे नॉनवेज बनाने वाले ठेले वाले तुरंत प्रभाव से नहीं दिखने चाहिए। मैं शाम को आपसे रिपोर्ट लूंगा। बालमुकुंद ने हवा महल निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के आर आर तिवारी को 914 वोटों के मामूली अंतर से हराया। इसी सीट पर मुस्लिम मतदाताओं की संख्या काफी अधिक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान जयपुर में रोड शो किया था।

आचार्य ने अपने प्रचार अभियान के दौरान दावा किया था कि हवा महल क्षेत्र में कई मंदिरों को एक साजिश के तहत 'ध्वस्त' कर दिया गया था और लोगों को आश्वासन दिया था कि अगर भाजपा सत्ता में आई, तो इनका पुनर्निर्माण किया जाएगा। मुंडारा माता मंदिर के महंत ओटाराम देवासी वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली पिछली भाजपा सरकार में मंत्री थे। वह 2018 के चुनाव में हार गए। इस बार वह सिरोही से निर्वाचित हुए हैं। अन्य तीनों महंत विधानसभा में नए हैं। बाबा बालकनाथ ने तिजारा सीट पर जीत दर्ज की है जहां भाजपा 1951 से लेकर 2018 के के बीच केवल एक बार जीती थी। यहां अपने आक्रामक प्रचार के साथ बालक नाथ ने कांग्रेस के इमरान खान को हराकर 6173 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। इस सीट पर मतदान में दूसरा सबसे ज्यादा 86.11 प्रतिशत मतदान हुआ।

चुनाव आयोग ने बालकनाथ को उनके उस बयान पर नोटिस दिया था जिसमें उन्होंने विधानसभा चुनावों की तुलना भारत-पाकिस्तान मैच से की थी। हालांकि बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि वह मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए लोगों को अधिक से अधिक संख्या में आने के लिए प्रोत्साहित कर रहे थे। उन्होंने कहा था,''इस बार चुनाव भारत-पाकिस्तान मैच जैसा है। यह सिर्फ जीत की लड़ाई नहीं है, यह मतदान प्रतिशत की भी लड़ाई है।''

उन्होंने कहा था,' वे 'कबिला' एकजुट हो गए हैं और हमें मतदान प्रतिशत के साथ उनकी योजनाओं को हराना है ताकि भविष्य में वे कभी भी एकजुट होने और हमारे सनातन धर्म को हराने की साजिश करने की हिम्मत न करें।'' हालांकि बाद में बालकनाथ ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा था, 'मैं चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए लोगों को अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा हूं।'

वहीं राज्य की सुदूर पोकरण सीट पर भाजपा ने एक बार फिर महंत प्रताप पुरी को कांग्रेस के सालेह मोहम्मद के खिलाफ खड़ा किया गया था। पुरी ने 2018 के चुनाव में मुस्लिम धार्मिक नेता गाजी फकीर के बेटे सालेह मोहम्मद के हाथों मिली अपनी हार का बदला लिया।

राजस्थान में सोलहवीं विधानसभा के लिए 20 महिला चुनी गई विधायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सोलहवीं विधानसभा के लिए हुए चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित 20 महिला प्रत्याशी चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची हैं। इस बार चुनाव में 183 महिला उम्मदवारों ने चुनाव लड़ा जिसमें 20 प्रत्याशी विजयी हुई। इनमें कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नौ-नौ महिला प्रत्याशियों ने चुनाव जीता जबकि दो निर्दलीय महिला उम्मीदवारों ने चुनाव में बाजी मारी। इस बार चुनाव में कांग्रेस ने 28 महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा जबकि भाजपा ने 20 महिलाओं को चुनाव लड़ने का मौका दिया। इनके अलावा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने भी करीब 20 महिला प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा लेकिन उसकी किसी महिला प्रत्याशी को चुनाव में सफलता नहीं मिली। इसी तरह अन्य दलों ने भी महिलाओं को चुनाव लड़ाया लेकिन सफलता प्राप्त नहीं हुई।

प्रदेश की 16वीं विधानसभा के लिए हुए चुनाव में स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने वाली पार्टी भाजपा की जिन नौ महिला प्रत्याशियों ने चुनाव जीता उनमें झालरापाटन विधानसभा क्षेत्र से श्रीमती वसुंधरा राजे, विद्याधरनगर से सांसद दिया कुमारी, अजमेर दक्षिण से पूर्व मंत्री एवं विधायक अनीता भदेल, बीकानेर पूर्व से विधायक सिद्धी कुमारी, लाडपुरा से विधायक कल्पना देवी, राजसमंद से विधायक दीप्ति माहेश्वरी, सोजत से विधायक शोभा चौहान, पूर्व विधायक रही मंजू बाघमार तथा नौक्षम चौधरी शामिल है।

इसी तरह कांग्रेस की चुनाव जीतने वाली प्रत्याशियों में मंडावा विधानसभा क्षेत्र से विधायक रीटा चौधरी, कुशलगढ़ से विधायक रमिला खड़िया, धौलपुर से विधायक शोभारानी कुशवाह, बामनवास से विधायक इंद्रा, अनूपगढ़ से शिमला नायक, नोखा सुशीला डूडी, हिंडौन से अनीता जाटव, भोपालगढ़ से गीता बरवड़ एवं चौमू से डा शिखा मील बराला शामिल हैं। इनके अलावा चुनाव जीतने वाली दो निर्दलीय महिला प्रत्याशियों में बाड़मेर से प्रियंका चौधरी एवं बयाना से त्रतु बानावत शामिल है।

चुनाव जीतने वाली इन महिला विधायकों में श्रीमती राजे सर्वाधिक छह बार विधायक बनकर विधानसभा पहुंची जबकि श्रीमती भदेल पांचवीं बार, सिद्धीकुमारी चार, रीटा चौधरी एवं शोभारानी कुशवाह 3-3 एवं दिया कुमारी, इंद्रा, मंजू बाघमार, दीप्ति माहेश्वरी, रमिला खड़िया, कल्पना देवी 2-2 बार तथा शिखा मील, शिमला नायक, सुशीला डूडी, नौक्षम चौधरी, ऋतु बानावत, अनीता जाटव, गीता बरवड़ एवं प्रियंका चौधरी पहली विधायक बनकर विधानसभा पहुंची है। प्रदेश में आजादी के बाद अब तक हुए 16 विधानसभा चुनाव में 218 महिला प्रत्याशी चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची हैं। इनमें कई महिलाएं एक से अधिक बार भी चुनाव जीता है।

जश्न के साथ-साथ भाजपा में मुख्यमंत्री को लेकर मंथन शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के चुनावी रण में भाजपा ने बड़े अंतर से जीत हासिल करते हुए कांग्रेस और गहलोत सरकार की योजनाओं को धराशायी कर दिया है। जबरदस्त मुकाबले में शानदार जीत के बाद भाजपा में जश्न का माहौल है। अब भाजपा में सरकार बनाने की तैयारी को लेकर मंथन शुरू होगा। इस जश्न के साथ ही पार्टी के लिए सीएम चेहरा भी एक बड़ा सवाल है। सीएम चेहरे को लेकर भी पार्टी में में जबरदस्त होड़ है। अब देखना है कि इतने सारे चेहरों में पार्टी किसको मौका देती है।

राजस्थान में मुख्यमंत्री चेहरे के लिए कई बड़े नाम चर्चा में शामिल है। मुख्यमंत्री के लिए काफी होड़ मची हुई है। ऐसे में इतने सारे नाम में एक नाम का चयन करना पार्टी के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। राजस्थान भाजपा में मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर वसुंधरा राजे, दीयाकुमारी, गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, सीपी जोशी, अश्वनी वैष्णव, बाबा बालकनाथ, ओम बिरला, ओम माथुर, प्रकाश चंद, भूपेंद्र यादव, सुनील बंसल के नाम फिलहाल चर्चा में हैं।

एक कायास ये भी लगाए जा रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्टाइल में भी मुख्यमंत्री का नाम सामने आ सकता है, जो हर बार की तरह चौकाने वाला होगा। सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली है कि आज नए मुख्यमंत्री को लेकर दिल्ली में मंथन की तैयारी हो रही है। खबर है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जोशी आज दिल्ली रवाना हो रहे हैं। अधिकांश दिग्गज नेताओं के दिल्ली जाने की बात सामने आ रही है। साथ ही जीते हुए विधायकों को मंगलवार को जयपुर पहुंचने के निर्देश जारी किए गए हैं। फिलहाल अभी आधिकारिक रूप से विधायक दल की बैठक का एलान नहीं हुआ है।

कांग्रेस की हार के लिए मुख्यमंत्री गहलोत जिम्मेदार : ओएसडी शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) रहे लोकेश शर्मा ने राज्य में कांग्रेस की हार के लिए गहलोत को जिम्मेदार ठहराया है। शर्मा इस विधानसभा चुनाव में टिकट मांग रहे थे। हालांकि, पार्टी ने उन्हें मौका नहीं दिया।

राज्य में विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद शर्मा ने रविवार को सोशल मीडिया मंच पर जारी एक पोस्ट में गहलोत पर निशाना साधा। शर्मा ने लिखा, कांग्रेस पार्टी राजस्थान में निःसंदेह रिवाज बदल सकती थी, लेकिन अशोक गहलोत जी कभी कोई बदलाव नहीं चाहते थे। यह कांग्रेस की नहीं बल्कि अशोक गहलोत की शिकस्त है।

शर्मा के अनुसार इस विधानसभा चुनाव में,गहलोत के चेहरे पर, उनको खुली छूट देकर, उनके नेतृत्व में पार्टी ने चुनाव लड़ा और उनके मुताबिक प्रत्येक सीट पर वे स्वयं चुनाव लड़ रहे थे। न उनका अनुभव चला, न जादू और हर बार की तरह कांग्रेस को उनकी योजनाओं के सहारे जीत नहीं मिली और न ही अथाह 'पिंक प्रचार' (महिला केंद्रित) काम आया।

उन्होंने लिखा है,तीसरी बार लगातार मुख्यमंत्री रहते हुए गहलोत ने पार्टी को फिर हाशिये पर लाकर खड़ा कर दिया। आज तक पार्टी से सिर्फ़ लिया ही लिया है लेकिन कभी अपने रहते पार्टी की सत्ता में वापसी नहीं करवा पाए गहलोत। शर्मा ने कहा, आज के ये नतीजे तय थे। मैं स्वयं मुख्यमंत्री को यह पहले बता चुका था, कई बार आगाह कर चुका था लेकिन उन्हें कोई ऐसी सलाह या व्यक्ति अपने साथ नहीं चाहिए था जो सच बताए।

शर्मा ने कहा कि उन्होंने बीकानेर और फिर भीलवाड़ा से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी लेकिन गहलोत कोई नया प्रयोग नहीं कर सके। पोस्ट के मुताबिक बीडी कल्ला के लिए शर्मा ने छह महीने पहले बता दिया था कि वे 20 हजार से ज्यादा मत से चुनाव हारेंगे और वही हुआ।

आर्मी ट्रक-कार की भिड़ंत में बेंगलूरु के पिता पुत्र की मौत

जोधपुर। निकटवर्ती शेरगढ़ तहसील के शेखाला गांव की सरहद में आर्मी ट्रक और कार की आमनेसामने भिड़ंत में पिता पुत्र की मौत हो गई। जबकि, मां और कार का चालक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जोधपुर रैफर किया गया है। थानाधिकारी शिवराज सिंह ने बताया कि बैंगलुरू का एक परिवार जिनमें 40 साल का अभिजीत पुत्र बद्रीलाल, उसकी पत्नी दीप्ति एवं चार साल का बेटा वियोम जोधपुर से रविवार शाम को एक कार टैक्सी किराया कर जैसलमेर की तरफ जा रहे थे। यहां शेखाला से दो किलोमीटर आगे टोल से पहले सामने से आ रहे एक आर्मी ट्रक से आमने सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में अभिजीत और उसके चार साल के बेटे वियोम की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि पत्नी दिप्ती और कार का चालक झालामंड जोधपुर निवासी दलपतासिंह पुत्र गोविंद सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जोधपुर रैफर किया गया है। पत्नी दीप्ति और कार चालक की हालत गंभीर बनी है। सोमवार को उनके परिजन बैंगलूरू से जोधपुर पहुंचे हैं। वे किस कारण जैसलमेर जा रहे थे फिलहाल इस बारे में पता नहीं लग पाया है। परिजन आए हैं जिनसे बात के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।

हार से खफा राजस्थान भाजपा नेता सतीश पूनिया ने आमेर छोड़ने का फैसला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आमेर विधानसभा में अपनी हार से निराश भाजपा के उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया ने सोमवार को घोषणा की कि वह भविष्य में इस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने एक्स पर कहा, यह मेरे लिए परीक्षा की घड़ी है। परिस्थितियों ने मुझे भविष्य में आमेर से चुनाव न लड़ने का फैसला करने के लिए मजबूर किया है। मैं अपने फैसले के बारे में पार्टी नेतृत्व को भी सूचित करूंगा और उनसे यहां के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए योग्य व्यक्तियों को नियुक्त करने का अनुरोध करूंगा।

उन्होंने आगे कहा, लोकतंत्र में जनता पवित्र होती है। मैं आमेर की जनता के फैसले को स्वीकार करता हूं। मैं कांग्रेस के विजयी उम्मीदवार प्रशांत शर्मा को बधाई देता हूं। मुझे उम्मीद है कि वह विकास को इसी तरह गति देते रहेंगे और आमेर की और जनभावनाओं का सम्मान करेंगे।

मेरा आमेर के साथ 10 साल से मजबूत रिश्ता है। मैं पार्टी के निर्देश पर 2013 में चुनाव लड़ने आया था। मैं सिर्फ 329 वोटों से हार गया था। भाजपा सरकार के दौरान हमने यहां विकास को मुद्दा बनाकर काम किया था। हालांकि लोग कहते हैं कि बड़ी जातियों के जाल में जाति से ऊपर उठकर किसी के लिए विकास के बारे में सोचना थोड़ा मुश्किल है। हमने 2013-2018 में कोशिश की और थोड़ा सफल रहे। विकास कार्यों से लेकर कोरोना के दौरान सेवा कार्यों तक लोगों में विश्वास पैदा करने का प्रयास किया गया है। शायद हम लोगों को समझाने में विफल रहे।

उन्होंने कहा कि चुनाव में जीत और हार एक सिक्के के दो पहलू हैं इस हार ने उन्हें आत्ममंथन करने पर मजबूर कर दिया है। पूनिया ने कहा, यह एक झटके की तरह है। हमने सपना देखा था कि आमेर इस बार अपनी रीति-नीति बदलेगा। हम सब मिलकर कार्यकर्ताओं का सम्मान और सरकार के माध्यम से जनता के लिए उत्कृष्ट कार्य करके इसे आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, यह समय मेरे लिए एक कठिन परीक्षा की तरह है। चुनाव से पहले भी पूनिया अपनी विधानसभा सीट बदलकर झोटवाड़ा और सांगानेर से चुनाव लड़ना चाहते थे। लेकिन कथित तौर पर केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें इजाजत नहीं दी। सिर्फ नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ को ही अपनी सीट बदलने की छूट दी गई।

राजस्थान में भाजपा का मत प्रतिशत 2.41 फीसदी बढ़ा, कांग्रेस का मामूली घटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मत प्रतिशत या वोट शेयर पिछली बार के चुनाव की तुलना में 2.41 फीसदी बढ़ा है जबकि कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के मत प्रतिशत में 0.29 फीसदी और 2.26 फीसदी की कमी आई। राज्य की कुल 200 में से 199 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ जिसके मतों की गिनती रविवार को की गई। इसमें भाजपा को 115 सीटों के साथ बहुमत मिला जबकि कांग्रेस 69 सीटों पर सिमट गई।

भाजपा ने चुनाव प्रचार में दलितों पर अत्याचार को लेकर भी गहलोत सरकार पर निशाना साधा था। इस बार में विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस व बसपा के पारंपरिक अनुसूचित जाति व जनजाति समुदाय वोट बैंक में सेंध लगाई। भाजपा को 2018 के विधानसभा चुनाव में कुल पड़े वोट में 39.28 फीसदी वोट मिले थे जबकि इस बार यह मत प्रतिशत 41.69 फीसदी रहा। भाजपा ने बसपा से वे चार सीटें छीन लीं जो उसने 2018 के विधानसभा चुनाव में जीती थीं। इसके साथ ही बसपा की 2018 में जीतीं दो और सीटें इस बार कांग्रेस के खाते में गईं।

भाजपा ने जो चार सीटें बसपा से छीनी हैं उनमें नदबई से जगत सिंह, नगर से जवाहर सिंह बेढम, करौली से दर्शन सिंह और तिजारा से बाबा बालकनाथ जीते हैं। वहीं कांग्रेस ने उदयपुरवाटी और किशनगढ़ बास से जीत हासिल की जहां भगवान राम सैनी और दीपचंद खैरिया विजयी रहे। 2018 के चुनावों में उक्त सभी छह सीटें बसपा उम्मीदवारों ने जीती थीं।

बसपा के मत प्रतिशत की बात की जाए तो 2018 के चुनाव में यह 4.08 फीसदी था जो 2023 के चुनावों में घटकर 1.82 फीसदी हो गया। पार्टी ने 2008 में भी छह सीटें जीती थीं लेकिन तब इसका मत प्रतिशत तुलनात्मक रूप से काफी अधिक 7.60 प्रतिशत था। बसपा को अपने समर्थकों के बीच विश्वसनीयता की चुनौती का सामना करना पड़ा। हाल के वर्षों में कई बसपा मतदाताओं का पार्टी से मोहभंग होता नजर आ रहा है। साल 2008 और 2018 में उसकी टिकट पर जीते सभी विधायक बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए। राज्य में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 34 सीटों में से भाजपा ने 22, कांग्रेस ने 11 और एक निर्दलीय ने जीती। इसी तरह 2023 के चुनावों में 25 अनुसूचित जनजाति की सीटों में से भाजपा ने 12, कांग्रेस ने 10 और भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) ने 3 सीटें जीतीं।

आरटीआई एक्टिविस्ट अशोक मलिक और द्रुपद मलिक को मिली हाईकोर्ट से जमानत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस सरकार में अजमेर की आनासागर झील पर नियम विरुद्ध बनाए गए सेवन वंडर्स को तुड़वाने के एनजीटी से आदेश कराने और कोटा रिवर फ्रंट को एनजीटी में चुनौती देने वाले आरटीआई एक्टिविस्ट अशोक मलिक और उनके पुत्र द्रुपद मलिक को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। इन दोनों पिता-पुत्र को अजमेर नगर निगम के कमिश्नर सुशील कुमार की एक शिकायत पर सरकार ने गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया था। निगम कमिश्नर सुशील कुमार का आरोप था कि इन्होंने जून में उनका फोन हैक करके उच्चाधिकारियों को उनके नाम से फोन किए और उनसे अभद्रता की थी। सुशील कुमार ने करीब 2 महीने बाद पुलिस में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

बचाव पक्ष के एडवोकेट के मुताबिक जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सरकारी पक्ष से पूछा कि फोन से किसी को धमकी दी। कोई काम करवाया क्या। हो सकता है नगर निगम आयुक्त जनता के काम नहीं कर रहा हो तो कमिश्नर बनकर फोन करना पड़ा हो। फोन से धमकाकर कोई काम करवा ले, यह आज के समय में संभव नहीं लगता है। सरकारी पक्ष इसका कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोनों पक्षों की जमानत याचिका स्वीकार कर ली।

इधर, पीड़ित पूर्व पार्षद और आरटीआई एक्टिविस्ट अशोक मलिक और द्रुपद मलिक का आरोप है कि आनासागर झील पर बनाए गए सेवन वंडर्स को तोड़ने के एनजीटी के आदेश से नगर निगम आयुक्त सुशील कुमार और जिला प्रशासन के कुछ अधिकारी उनसे रंजिश पाले हुए हैं। सुशील कुमार स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के भी प्रभारी अधिकारी हैं। इसलिए इन्होंने पहले तो उन्हें प्रलोभन देने के प्रयास किए।

'हार का गुस्सा छोड़ सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़े विपक्ष'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विपक्षी दलों से आग्रह किया कि संसद के शीतकालीन सत्र में वे विधानसभा चुनावों में मिली पराजय का 'गुस्सा' ना निकालें बल्कि उससे सीख लेते हुए पिछले नौ सालों की नकारात्मकता को पीछे छोड़ें और सकारात्मक रूख के साथ आगे बढ़ें, तभी उनके प्रति लोगों का नजरिया बदल सकता है।

सत्र के पहले दिन मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यदि विपक्षी दल 'विरोध के लिए विरोध' का तरीका छोड़ दें और देश हित में सकारात्मक चीजों में साथ दें तो देश के मन में उनके प्रति आज जो नफरत है, हो सकता है वह मोहब्बत में बदल जाए।

चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों को 'बहुत ही उत्साहवर्धक' करार देते हुए उन्होंने कहा, ''देश ने नकारात्मकता को नकारा है।''

चार में से तीन राज्यों में भाजपा ने रविवार को भारी बहुमत से जीत हासिल की। मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख राज्य में उसने सत्ता में वापसी की वहीं राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करने में सफल रही। तेलंगाना में भले ही भाजपा सत्तासीन होने में विफल रही लेकिन दक्षिणी राज्य में उसने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''अगर मैं वर्तमान चुनाव नतीजे के आधार पर कहूं तो विपक्ष में जो बैठे हुए साथी हैं उनके लिए यह स्वर्णिम अवसर है। इस सत्र में पराजय का गुस्सा निकालने की योजना बनाने के बजाय, इस पराजय से सीखकर,

पिछले नौ साल में चलाई गई नकारात्मकता की प्रवृत्ति को छोड़कर, इस सत्र में अगर सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ेंगे तो देश उनकी तरफ देखने का दृष्टिकोण बदलेगा।''

मोदी ने कहा कि वे (विरोधी दल) विपक्ष में हैं, फिर भी वह उन्हें सकारात्मक सुझाव दे रहे हैं कि सकारात्मक के साथ ही हर किसी का भविष्य उज्ज्वल है और उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, ''लेकिन कृपा करके बाहर की पराजय का गुस्सा सदन में मत उतारना। हताशा, निराशा होगी... आपके साथियों को दम दिखाने के लिए कुछ न कुछ करना भी पड़ेगा...लेकिन कम से कम लोकतंत्र के इस मंदिर को वह मंच मत बनाइए।''

मोदी ने कहा कि वह अपने लंबे अनुभव के आधार पर कह रहे हैं कि आप (विपक्ष) थोड़ा सा अपना रुख बदलिए और विरोध के लिए विरोध का तरीका छोड़ दीजिए। उन्होंने कहा, ''देश हित में सकारात्मक चीजों का साथ दीजिए। जो कमियां है उन पर चर्चा कीजिए। आप देखिए, देश के मन में आज जो (विपक्ष के प्रति) नफरत पैदा हो रही है... हो सकता है वह मोहब्बत में बदल जाए। तो मौका है यह। इसे जाने मत दीजिए।''

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अक्सर नफरत के माहौल में 'मोहब्बत की दुकान' खोलने की बात करते रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों से संसद सत्र में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि इसी में उनकी भलाई है कि वह देश को सकारात्मकता का संदेश दें। उन्होंने कहा, ''और इसलिए हर बार मैं करबद्ध प्रार्थना करता रहा हूं कि सदन में सहयोग दीजिए। आज मैं राजनीतिक दृष्टिकोण से भी कहना चाहता हूं कि आपका भी भला इसमें है कि आप देश को सकारात्मकता का संदेश दें। आपकी छवि नफरत की और नकारात्मकता की नहीं बने। लोकतंत्र के लिए यह अच्छा नहीं है। लोकतंत्र में विपक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है, उतना ही मूल्यवान है और उतना ही सामर्थ्यवान भी होना चाहिए। और लोकतंत्र की भलाई के लिए मैं फिर से एक बार अपनी ये भावना प्रकट करता हूं।''

संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो गया। यह सत्र इस महीने की 22 तारीख तक चलेगा। इस दौरान 19 दिन में 15 बैठकें प्रस्तावित हैं।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को बढ़ावा देने वाली झारखंड सरकार को बर्खास्त किया जाए: भाजपा सांसद की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने झारखंड सरकार पर आदिवासियों के लिए राज्य में खराब माहौल बनाने और बांग्लादेशी घुसपैठियों को बढ़ावा देने का सोमवार को लोकसभा में आरोप लगाते हुए केंद्र से उसे बर्खास्त करने की मांग की।

दुबे ने शून्यकाल में कहा कि झारखंड के सुंदर पहाड़ी क्षेत्र में पिछले दिनों एक पर्वतीय जनजाति के करीब 20 बच्चों की मौत किसी संक्रमण से हो गई, लेकिन इलाके में जाने पर पता चला कि वहां एक भी चिकित्सक नहीं है। उन्होंने कहा कि जब वह आदिवासी बहुल क्षेत्र का दौरा करने गए तो पता चला कि वहां ''न एक भी प्रधानमंत्री आवास है, न चिकित्सकों की सुविधा है और सड़कों की हालत भी खराब है।'' दुबे ने कहा, ''आदिवासियों के लिए खराब माहौल बनाने वाली और बांग्लादेशी घुसपैठियों को बढ़ावा देने वाली (झारखंड) सरकार को बर्खास्त किया जाना चाहिए। राज्य में अध्ययन के लिए केंद्रीय दल को भेजा जाए।'' शून्यकाल में अन्य सदस्यों ने भी लोक महत्व के विभिन्न विषयों को उठाया। भाजपा के जगदंबिका पाल ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग और 'डीपफेक' तकनीक के प्रसार पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कार्रवाई की मांग सरकार से की। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़े तो इस तरह की चीजों को रोकने के लिए सख्त कानून बनाया जाना चाहिए।

मणिपुर में उग्रवादियों के दो समूहों के बीच गोलीबारी में 13 लोगों की मौत

इंफाल/भाषा। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में सोमवार को उग्रवादियों के दो समूहों के बीच हुई गोलीबारी में कम से कम 13 लोग मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना सोमवार दोपहर लीथू गांव में हुई। तेंगनौपाल जिले के एक अधिकारी ने कहा, ''म्यांमा जा रहे उग्रवादियों के एक समूह पर इलाके में दबदबा रखने वाले उग्रवादियों के एक अन्य समूह ने घात लगाकर हमला किया।'' अधिकारियों के अनुसार, मौके पर पहुंचे सुरक्षाबलों को अब तक 13 शव मिले हैं। मारे गए लोगों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि वे स्थानीय नहीं थे। तेंगनौपाल जिले की सीमा म्यांमा से लगती है।

ओडिशा में जंगली हाथी ने दो ग्रामीणों को कुचलकर मार डाला

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के खुर्दा जिले में एक जंगली हाथी ने दो ग्रामीणों को कुचलकर मार डाला। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यह घटना रविवार देर रात को टांगी वन क्षेत्र में जरीतापुर गांव में हुई। मृतकों की पहचान कृष्ण चंद्र प्रधान (65) और लक्ष्मीधर बेहरा (70) के रूप में की गयी है। स्थानीय लोगों को सोमवार सुबह उनके शव मिले। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों लोग फसलों पर नजर रखने के लिए अपने धान के खेतों में गए थे तभी उन्होंने हाथी को फसलों को नष्ट करते हुए देखा।

जब उन्होंने हाथी को भगाने का प्रयास किया तो उसने उन्हें कुचल दिया। गुस्साएं स्थानीय लोगों ने मृतकों के परिजन को उचित मुआवजा देने और उनकी फैसलों की जंगली हाथियों से रक्षा करने की मांग की। सरपंच मधुसूदन पलाई ने कहा कि इलाके के ज्यादातर लोग आजीविका के लिए खेती पर निर्भर हैं और जंगली हाथ आए दिन उनकी फसलों को नष्ट करते हैं। वन अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने घटना की जांच शुरू कर दी है।

लोकसभा में विभिन्न दलों के सदस्यों ने न्यायपालिका को दलालों से मुक्त कराने पर जोर दिया

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में सोमवार को विभिन्न दलों के सदस्यों ने न्यायपालिका को दलालों से पूरी तरह मुक्त करने की जरूरत बताई। कांग्रेस ने जहां इस संबंध में 'बड़ी मछलियों' को पकड़ने के लिए आवश्यक प्रावधान करने पर जोर दिया, वहीं भाजपा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में न्यायपालिका को 'स्वच्छ' बनाने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और द्रमुक जैसे दलों ने इस विधेयक को वापस लिये जाने और इस पर पुनर्विचार की आवश्यकता जताई।

कांग्रेस सांसद कार्ति चिदम्बरम ने अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक, 2023 पर लोकसभा में चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि छोटी अदालतों में छोटे-मोटे दलालों के खिलाफ पहल करने के साथ-साथ केंद्र को 'बड़ी मछलियों' को पकड़ने के लिए प्रावधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस विधेयक के समर्थन में है, लेकिन जटिल विधिक प्रक्रिया और सामाजिक असमानता के कारण दलाल पैदा होते हैं। केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने अपनी उपयोगिता खो चुके 'सभी अप्रचलित कानूनों या स्वतंत्रता-पूर्व अधिनियमों' को निरस्त करने के केंद्र सरकार के प्रयास के आलोक में लोकसभा में अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक विचार एवं पारित किये जाने के लिए पेश किया।

न्यायपालिका को भी 'स्वच्छ' बनाने का प्रयास किया जा रहा है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में 'स्वच्छता' अभियान शुरू किया है और इसी के क्रम में न्यायपालिका को भी 'स्वच्छ' बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल ने सदन में अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक, 2023 पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि सरकार अपना औचित्य खो चुके ब्रिटिशकालीन कानूनों को निरस्त करने के प्रति वचनबद्ध है और यही वजह है कि उसने 'लीगल प्रैक्टिशनर्स एक्ट, 1879' को निरस्त करने और अधिवक्ता अधिनियम, 1961 में संशोधन करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पुराने कानूनों को निरस्त करना मोदी के 'पंच प्रण' में शामिल था और इसी के अनुरूप यह संशोधन किया जाना है। पाल ने कहा कि अदालतों में दलालों के चंगुल में सबसे अधिक गांव के अनपढ़, अशिक्षित लोग फंसते हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में भी ऐसा होता है कि रेलवे स्टेशन या बस अड्डों से ही दलाल मरीजों के पीछे लग जाते हैं। उन्होंने कहा, ''जब प्रधानमंत्री ने 'स्वच्छता' अभियान चलाया है तो न्यायपालिका में भी इस तरह की स्वच्छता बनाये रखने की जरूरत है।'' उन्होंने इस विधेयक को अदालत परिसरों में दलालों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम करार दिया। विपक्ष की टोकाटोकी के बीच भाजपा सांसद ने कहा कि देश की जनता ने मोदी जी और उनकी गारंटी को मान लिया है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री का नाम लेने से अगर इनको (विपक्ष को) चिढ़ हो रही है, तो अब तो देश की जनता ने प्रधानमंत्री को और उनकी गारंटी को मान लिया है... अब तो तीन राज्यों के चुनाव परिणाम को उन्हें (विपक्ष को) मान लेना चाहिए।''

'अमृतकाल' के शुरू में ही अर्थव्यवस्था 5,000 अरब डॉलर की हो जाएगी: मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को कहा कि भारत 2047 तक उन्नत अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को हासिल करने की यात्रा के दौरान 'अमृत काल' की शुरुआत में ही 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के 2027-28 में तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी के साथ 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान लगाया है। चौधरी ने कहा कि रुपये की मजबूती की मदद से 5,000 अरब डॉलर का लक्ष्य पार किया जाएगा, जो व्यापक आर्थिक स्थिरता के परिणामस्वरूप होगा।

चौधरी ने कहा, ''सरकार ने 2047 तक एक उन्नत अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा है। इस प्रक्रिया में देश अमृत काल की शुरुआत में ही 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।'' वर्ष 2022-23 के अंत में भारतीय सकल घरेलू उत्पाद 3700 अरब डॉलर था।

कांग्रेस ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अकेले चुनाव लड़ने की गलती की:जदयू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने सोमवार को कहा कि उसकी सहयोगी कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में ''इंडिया'' गठबंधन के साझेदारों के साथ कोई तालमेल नहीं कर अकेले चुनाव लड़कर गलती की।

जदयू के मुख्य प्रवक्ता और विधानपरिषद सदस्य नीरज कुमार ने भी इन राज्यों में कांग्रेस की हार के लिए भाजपा की ''सांप्रदायिक उन्माद'' की कथित राजनीति का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में विफलता को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, ''यह कहने का कोई मतलब नहीं है कि आपका राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन है, लेकिन आप राज्यों में अलग-अलग चुनाव लड़ना चाहते हैं।'' नीरज ने कहा कि केवल बैठकें करने और जमीनी स्तर पर कुछ भी नहीं दिखाने से 'इंडिया' इतना बनावटी लगने लगता है कि लोग उससे जुड़ नहीं पा रहे हैं। विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के घटक जदयू ने मध्य प्रदेश में पांच सीट पर और उतनी ही सीट एक अन्य असंतुष्ट सहयोगी समाजवादी पार्टी ने भी चुनाव लड़ा था। नीरज ने जातिगत जनगणना और ओबीसी का केवल उल्लेख करने तथा पिछड़े राज्यों को विशेष दर्जा देने, वंचित जातियों के लिए कोटा बढ़ाने और कानूनी अडचनों में बचने के लिए इसे नौवीं अनुसूची में डालने की बिहार की मांग को ठीक ढंग से नहीं उठाए जाने के के लिए कांग्रेस से नाराजगी व्यक्त की।

पंच प्रण ही विकसित भारत की राह : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि वर्तमान में 142 करोड़ देशवासियों का लक्ष्य देश को विकसित और दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनाना है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव में दिए गए पंच प्रण ही विकसित और आत्मनिर्भर भारत का मार्ग हैं।

मुख्यमंत्री ने यहां महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 91वें संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के अमृत वर्ष में पंच प्रण की राह पर चलने का लक्ष्य दिया है। पंच प्रण यानी गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, विरासत का सम्मान, महापुरुषों, लोक कलाओं-परम्पराओं पर गौरव, एकता का संकल्प और नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन। देश की 142 करोड़ आबादी अगर पंच प्रण के अनुरूप राष्ट्र प्रथम की भावना से काम करे तो विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने और देश को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा, वर्तमान समय में जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर वही लोग बांटना चाहते हैं जो भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के रूप में नहीं देखना चाहते। उन्होंने देश के 142 करोड़ लोगों से एकजुट रहने एवं विखंडन की खाई को चौड़ा नहीं होने देने का आह्वान करते हुए कहा कि अगर हर व्यक्ति अपने कार्यक्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निवर्हन करे तो देश पंच प्रण के लक्ष्यों की ओर तेजी से अग्रसर होगा। योगी ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की शोभायात्रा को अनुशासन और रचनात्मकता की झलक देने वाली बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यहां के विद्यार्थी एवं शिक्षक इस परिषद को देश की अग्रणी शैक्षिक सेवा प्रकल्प बनाते हुए राष्ट्रीय कर्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे।

विधानसभा चुनावों के नतीजों का असर 'इंडिया' गठबंधन पर नहीं होगा : विपक्ष

नई दिल्ली/भाषा। विपक्ष के कई दलों के नेताओं ने सोमवार को कहा कि पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा को भले ही हिंदी पट्टी के तीन प्रदेशों में बड़ी जीत मिली हो, लेकिन इसका असर विपक्ष के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) पर नहीं पड़ेगा। यद्यपि उनका कहना है कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में विपक्ष को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है।

भाजपा ने रविवार को मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की तथा कांग्रेस को शिकस्त देकर हिंदी पट्टी में पकड़ और मजबूत कर ली। कांग्रेस ने तेलंगाना में जीत दर्ज की। नतीजों के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों को और अधिक मेहनत करनी होगी। नतीजों और गठबंधन पर इसके संभावित प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''इससे गठबंधन पर फर्क नहीं पड़ेगा। हमें और अधिक मेहनत करनी होगी।'' अब्दुल्ला ने कहा, ''जीत और हार होती रहती है। हमें हार के साथ-साथ जीतने वालों से भी सीखना चाहिए। 'इंडिया' को एकजुट होना है... हमें देश को मजबूत करने की जरूरत है।''

पश्चिम बंगाल : लॉरी से टकराने के बाद बेपटरी हुए ट्रेन के इंजन में लगी आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में सोमवार को एक एक्सप्रेस ट्रेन का इंजन, लॉरी (सामान ढोने वाला वाहन) से टकराने के बाद बेपटरी हो गया और उसमें आग लग गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि लॉरी एक रेलवे क्रॉसिंग को पार करते वक्त पटरी पर आ गई थी। उन्होंने बताया कि पूर्वी रेलवे (ईआर) के मालदा संभाग में धुलियान गंगा और बल्लालपुर स्टेशन के बीच सोमवार तड़के हुई इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ईआर अधिकारी ने बताया कि लॉरी क्रॉसिंग का दरवाजा तोड़कर पटरी पर आ गई और तभी कोलकाता-राधिकापुर एक्सप्रेस वहां से गुजरी। उन्होंने बताया कि लॉरी से टकराने के बाद इंजन के चार पहिये पटरी से उतर गए और आग लग गई, जिसकी वजह से आने-जाने वाले मार्ग पर बाधा उत्पन्न हो गई। अधिकारी ने बताया कि इंजन को तुरंत ट्रेन से अलग कर दिया गया और दमकल विभाग की मदद से आग पर काबू पाया गया। अधिकारी के मुताबिक, दुर्घटना के परिणामस्वरूप मार्ग अवरुद्ध हो गया, जिसकी वजह से कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया।

टी20 विश्व कप से पहले भारत के तीसरे स्पिन विकल्प बनकर उभरे रवि बिश्नोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। रवि बिश्नोई को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 शृंखला के लिये जब भारतीय टीम में चुना गया तो यह स्पष्ट संकेत था कि अगले साल टी20 विश्व कप के मद्देनजर वह टीम प्रबंधन की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा हैं ।

भारत को विश्व कप से पहले छह टी20 खेलने हैं और समझा जाता है कि 23 वर्ष के बिश्नोई को युजवेंद्र चहल पर तरजीह मिलनी तय है । चहल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 शृंखला के लिये भारतीय टीम का हिस्सा नहीं है । चहल ने इस साल नौ टी20 मैचों में नौ

विकेट लिये जबकि बिश्नोई ने 11 मैचों में 18 विकेट चटकाये ।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में संपन्न शृंखला में बिश्नोई 'प्लेयर आफ द सीरिज' रहे जिन्होंने पांच मैचों में नौ विकेट लिये । विशाखापत्तनम में पहले मैच में चार ओवर में 54 रन देने के अलावा बिश्नोई ने बाकी मैचों में शानदार गेंदबाजी की।

आस्ट्रेलियाई कप्तान मैथ्यू वेड ने स्वीकार किया कि बल्लेबाजों की मददगार पिचों पर भी बिश्नोई को खेलना आसान नहीं था। उन्होंने कहा ,'' उनके स्पिनरों ने अच्छा प्रदर्शन किया । बिश्नोई ने खास तौर पर चारों मैचों में शानदार गेंदबाजी की । उसे खेलना आसान नहीं था ।'' श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने जियो सिनेमा से कहा ,'' बिश्नोई दूसरे लेग स्पिनर से अलग है । वह तेज गेंद डालता है और गेंद को स्लाइड कराता है । मददगार विकेटों पर उसे खेलना काफी कठिन है ।''

धोनी के प्रेरणादायी शब्दों ने जीत दिलाने में मदद की : होप

नॉर्थ साउंड (एंटीगा)/भाषा। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने खुलासा किया कि लक्ष्य का पीछा करने में माहिर महेंद्र सिंह धोनी की आखिर तक हार न मानने की सलाह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में उन्हें प्रेरित किया जिससे उनकी टीम रोमांचक जीत दर्ज करने में सफल रही। पूर्व भारतीय कप्तान धोनी को शांतचित्त होकर अपने काम को अंजाम तक पहुंचाने और अपने मैच विजेता कौशल के लिए जाना जाता है। वेस्टइंडीज ने रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में 326 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांच विकेट 213 रन पर गंवा दिए थे। ऐसे में होप ने धोनी से हुई बातचीत को याद किया और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। होप ने नाबाद 109 रन की पारी खेलने के बाद संवाददाताओं से कहा,''बेहद चर्चित व्यक्ति महेंद्र सिंह धोनी से मेरी बात हुई थी और उन्होंने कहा था कि आप जितना सोचते हो उससे अधिक समय आपके पास होता है।'' धोनी की तरह विकेटकीपर बल्लेबाज होप ने कहा,''इतने वर्षों में जब से मैं वनडे क्रिकेट खेल रहा हूं उनकी यह बात मेरे दिमाग में हमेशा घूमती रहती है।''

राज्यसभा में आप सदस्य का निलंबन खत्म, विशेषाधिकार समिति की सिफारिश मंजूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

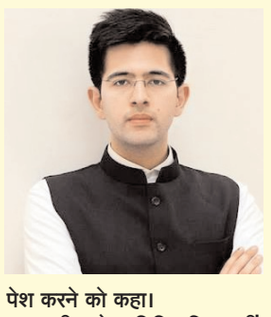

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सोमवार को आम आदमी पार्टी सदस्य राघव चड्ढा का निलंबन समाप्त करते हुए उन्हें सदन की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति दे दी गयी। चड्ढा को मानसून सत्र में 11 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया था। शीतकालीन सत्र के पहले दिन भोजनावकाश के बाद दोपहर दो बजे उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति जगदीप धनखड़ ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के इलामरम करीम से विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट पेश करने को कहा।

करीम ने समिति की 75वीं रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि विशेषाधिकार समिति ने एक सदस्य के विरूद्ध मीडिया को जानबूझ कर गलत एवं गुमराह करने वाली सूचना कथित रूप से लीक करने, समिति की कार्यवाही को गलत तरीके से पेश करने एवं आसन के अधिकारों को चुनौती देने तथा प्रस्तावित प्रवर समिति में सदस्यों की सहमति लिए बिना उनके नाम शामिल करने के प्रश्न पर विचार किया। इसके बाद सभापति धनखड़ ने कहा कि विशेषाधिकार समिति ने गहराई और सुविचारित ढंग से इस मामले पर गौर करके सदस्य राघव चड्ढा को दोनों आरोपों में दोषी पाया।

उन्होंने कहा कि पहला आरोप है कि उन्होंने जानबूझ कर मीडिया को गुमराह करने वाले तथ्य पेश किए, सभा की कार्यवाही की गलत तरह से व्याख्या की जिसके परिणाम स्वरूप राज्यसभा के सभापति के अधिकारों को चुनौती दी गयी तथा सदन के नियमों की अवहेलना हुई।

सुविचार

जिंदगी में आधे दुःख गलत लोगों से उम्मीद रखने से होते है और बाकी के आधे सच्चे लोगों पर शक करने से होते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फर्जी खबरों का जंजाल

'डिजिटल युग में नागरिक स्वतंत्रता को कायम रखना: निजता, निगरानी और स्वतंत्र अभिव्यक्ति' विषय पर प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की एक व्याख्यान के दौरान यह टिप्पणी अत्यंत प्रासंगिक है कि फर्जी खबरों का लक्ष्य समाज के मूलभूत तत्त्वों अर्थात सत्य की स्थिरता को नष्ट करना है। बेशक फर्जी खबरों के प्रसार से सच्ची जानकारी दब जाती है और गलत सूचना में लोकतांत्रिक चर्चा को कमजोर करने की ताकत होती है। आज सोशल मीडिया के प्रसार के साथ फर्जी खबरें इस कदर बेलगाम होती जा रही हैं कि जब तक उनकी हकीकत सामने आती है, उन्हें फैलाने वालों का मकसद पूरा हो जाता है। कई बार ऐसा होता है कि आकर्षक शीर्षक के साथ लोगों को लुभाया जाता है, ताकि वे उस पर क्लिक करें। बाद में अंदर कुछ और सामग्री होती है। कुछ साल पहले राजस्थान में सोशल मीडिया पर एक 'ख़बर' खूब वायरल हुई थी, जिसमें यह दावा किया गया था कि एक विभाग में हजारों पद खाली हैं, लेकिन कोई भी आवेदन नहीं कर रहा है! सरकारी नौकरी के इच्छुक कई युवाओं ने उस लिंक पर क्लिक किया, जिसके बाद उनके मोबाइल फोन में वायरस इंस्टॉल हो गया। उसने उनके फोन में सेंध लगाई और आर्थिक नुकसान भी पहुंचाया। इसी तरह बिहार में एक 'खबर' वायरल हो गई थी कि सरकार हर छठव्रती के डाकघर बचत खाते में हजारों रुपए भेजेगी। अगले ही दिन डाकघर के सामने लोगों की भीड़ लग गई। अधिकारियों ने उन्हें खूब समझाया कि ऐसी कोई योजना नहीं है, लेकिन लोगों को विश्वास नहीं हुआ और वे घंटों कतारों में खड़े रहे। समाचार प्राप्त करने के जितने माध्यम हैं, उनमें आज भी अख़बार सबसे ज्यादा विश्वसनीय माना जाता है। सोशल मीडिया, वेबसाइट, टीवी, रेडियो ... भले ही जल्दी समाचार प्रसारित कर दें, लेकिन विश्वसनीयता और गंभीरता के मामले में अख़बार की प्रतिबद्धता ज्यादा दिखाई देती है। चाहे समाचार अगले दिन पहुंचे, लेकिन तथ्यों और जिम्मेदारी के साथ पहुंचे। खासतौर से सोशल मीडिया में इस प्रतिबद्धता का अभाव नजर आता है।

फर्जी खबरों में नेताओं-अधिकारियों के बयानों का तो जिक्र होता ही है, पिछले दिनों सीजेआई चंद्रचूड़ के बारे में भी एक पोस्ट वॉट्सऐप समूहों में खूब वायरल हुई थी। उनकी तस्वीर के साथ एक 'बयान' पोस्ट किया गया था, जो उन्होंने नहीं दिया था। लोगों ने बिना किसी जांच-पड़ताल के उसे शेयर किया। धुआंधार शेयरिंग के बाद जब यह ख़बर आई कि सीजेआई के नाम पर वायरल किया जा रहा बयान असत्य है, तो उसे कम ही लोगों ने पढ़ा और फर्जी खबर की तुलना में कम शेयर किया। इस तरह फर्जी खबर के सामने सच्ची खबर दबकर ही रह गई। कोरोना काल को लेकर सीजेआई ने जो अनुभव साझा किया, वह हर उस व्यक्ति का अनुभव है, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और समाचारों की विश्वसनीयता, दोनों का पक्षधर है। सीजेआई के शब्दों में - 'मुझे याद है कि जब देश दुखद कोविड-19 महामारी का सामना कर रहा था, तब इंटरनेट फर्जी खबरों और अफवाहों से भरा हुआ था। मुश्किल वक्त में हास्य राहत का एक स्रोत है, लेकिन यह हमें इंटरनेट पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमाओं पर पुनर्विचार करने के लिए भी मजबूर कर रहा था।' उस समय कई यूट्यूब चैनल मनमर्जी से खबरें प्रसारित कर रहे थे। एक चैनल तो मशहूर लोगों की मृत्यु की खबरें चला रहा था, जबकि वे सही-सलामत थे। एक और चैनल मास्क हटाने तथा कुछ खास पदार्थों के सेवन की सलाह दे रहा था। वह सलाह पूर्णत: अवैज्ञानिक और हानिकारक थी। उस पर किसी ने अमल किया होगा तो जरूर संक्रमण की चपेट में आया होगा। ऐसी गतिविधियों को न तो पत्रकारिता कहा जा सकता है और न अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर इनका समर्थन किया जा सकता है। फर्जी खबरें फैलाने का उद्देश्य सनसनी के जरिए चर्चा में आना, जल्द अमीर बनने की ख्वाहिश, अफरा-तफरी फैलाना और देशविरोधी तत्त्वों की मदद करना भी हो सकता है। सच को जिंदा रखने के लिए झूठ और उसका प्रचार-प्रसार करने वालों पर शिकंजा कसना जरूरी है।

ट्वीटर टॉक

अपनी विरासत पर गर्व करने की भावना के साथ मुझे एक और घोषणा करते हुए गौरव हो रहा है। भारतीय नौसेना अब अपने ठरपझी का नामकरण भारतीय परंपराओं के अनुरूप करने जा रही है। हम सशस्त्र बलों में अपनी नारीशक्ति की संख्या बढ़ाने पर भी जो दे रहे हैं।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में मिली प्रचंड विजय, प्रधानमंत्री नरेन्द्र के करिश्माई नेतृत्व और भाजपा के प्रति प्रबल जनविश्वास की जीत है। जिस तरह से, मोदीजी ने देश की जनता के साथ एक प्रामाणिक, भावनात्मक और आत्मीय संबंध जोड़ा।

-राजनाथ सिंह

राजस्थान विधानसभा चुनाव के नतीजे देश की राजनीति के लिए अहम साबित होने वाले नतीजे है! भाजपा ने हमेशा सकारात्मक और विकास की राजनीति की है। राजस्थान तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़े यह प्रदेश के जनता की इच्छा है, जो इन चुनावी नतीजों से स्पष्ट हुई है।

-नीतिन गडकरी

प्रेरक प्रसंग

संत की कहानी

कि सी गांव में एक संत निवास करते थे, उस गांव में संत को छोड़कर सब लोग कंजूस प्रवृति के थे, कोई किसी को भी कुछ नहीं देता था, संत की कुटिया एक बगीचे में थी। कोई व्यक्ति उसके पास आता तो वह उसे अपने बगीचे से फल तोड़कर खाने को देता और बकरी का दूध भी लोगो को पिने के लिए देता एक बार संत ने किसी को कहा की बहुत ही जल्द तुम्हे गड़ा हुआ खजाना मिलने वाला है और उसकी बात सच निकली, फिर एक दीन उस संत ने किसी को कहा की तुम्हारी घर की छत आज रात को गिरने वाली है। उस व्यक्ति ने संत की बात मानी और घर से बाहर रहा, संत की बात पुनः सत्य हुई, छत वास्तव में अगले दीं गिर गयी। अब सभी के अंदर एक धारणा बन गयी थी, की संत की कही बात कभी गलत नहीं होती, उसी गांव में एक अनाथ आश्रम भी था, जिसमे कुछ दिनों से बिलकुल भी दान नहीं आ रहा था, वहा के बच्चे भोजन और वस्त्र के लिए तरस रहे थे एसे स्थिती में वहा के अध्यक्ष संत के पास पहुंचे और विनती की हे संत महात्मन, आपने आज तक जो भी कहा है वह सत्य ही हुआ है, मै आपसे एक झूठ बोलने की प्रार्थना करता हु, आप बीस इतना कह दे की 3 दिन बाद प्रलय होने वाला है।

सामयिक

चुनावी परिणाम से कांग्रेस का 'इंडि गठबंधन' हुआ कमजोर

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले हिंदी पट्टी के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस को मिली करारी शिकस्त न सिर्फ उसके लिए बड़ा झटका है, बल्कि यह हार विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडि) में नेतृत्व एवं सीट बंटवारे पर मोलभाव करने की उसकी स्थिति को संभवत: कमजोर कर सकती है। इसकी बानगी भी चुनावी रुझानों में तीन राज्यों में कांग्रेस की हार नजर आने के साथ मिल गई जब गठबंधन के एक प्रमुख घटक जनता दल (यूनाइटेड) ने कहा कि देश का मुख्य विपक्षी दल अपने दम पर जीतने में सक्षम नहीं है। जद (यू) के मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी की माने तो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव के परिणाम कांग्रेस की पराजय और भाजपा की विजय का संकेत देते हैं। उन्होंने कहा कि चुनावों में विपक्षी 'इंडि' गठबंधन गायब था। मध्य प्रदेश में कांग्रेस की हार के बाद समाजवादी पार्टी ने यह दावा तक कर दिया कि इस पराजय के लिए अखिलेश यादव के बारे में कमलनाथ की टिप्पणी जिम्मेदार है। कमलनाथ ने सीट बंटवारे के विवाद के संदर्भ में अखिलेश यादव को लेकर 'अखिलेश वखिलेश' वाली टिप्पणी की थी। सपा प्रवक्ता अनुराग भदौरिया ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अब शायद कमलनाथजी के समझ में बात आ गई होगी। अखिलेश यादव का मतलब क्या है।

सनद रहे कि अगले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का मुकाबला करने के लिए 26 विपक्षी दलों ने इंडिया' गठबंधन गठित किया है। इस पराजय के बीच कांग्रेस के लिए उम्मीद की एक किरण दक्षिण भारत से आई है जहां कर्नाटक के बाद अब तेलंगाना में उसे जीत मिली है। कांग्रेस को उम्मीद थी कि पांच राज्यों के चुनाव में अच्छा प्रदर्शन कर वह 2024 के लिए अपनी राह तैयार करेगी। उसे उम्मीद थी कि इन चुनावों में जीत के बाद वह विपक्षी गठबंधन 'इंडि' में नेतृत्व को लेकर अपना दावा मजबूत करेगी। उसकी इन उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

स्थिति को भांपते हुए कांग्रेस ने कहा कि वह 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के साथ मिलकर अगले लोकसभा चुनाव के लिए खुद को तैयार करेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उनका दल इन राज्यों में खुद को मजबूत करेगा तथा विपक्षी गठबंधन 'इंडि' के घटक दलों के साथ मिलकर अगले लोकसभा चुनाव के लिए अपने आपको तैयार करेगा। खड़गे ने कहा, हमें इस हार से हताश हुए बग़ैर 'इंडि' के घटक दलों के साथ दोगुने जोश से लोकसभा चुनाव की तैयारी में लग जाना है।

इन नतीजों से यह भी स्पष्ट है कि कांग्रेस के लिए हिंदीभाषी राज्यों में 'जाति जनगणना और गारंटी' के मुद्दे भी काफी हद तक बेअसर साबित हुए हैं। राहुल गांधी ने इन चुनावों में जाति जनगणना के मुद्दे का बार-बार जिक्र किया था। कांग्रेस ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपनी सत्ता गंवा दी तो मध्य प्रदेश में करीब दो दशक का उसका वनवास (बीच में 15 महीने छोड़कर) खत्म नहीं हुआ। तेलंगाना के 2014 में नए राज्य के रूप में गठन के बाद कांग्रेस वहां पहली बार सत्ता में आई है। इस साल मई में हुए कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद ये चुनावी नतीजे उसके लिए बड़े निराशाजनक कहे जाएंगे। जबकि कर्नाटक के नतीजों के बाद पार्टी ने कहा था कि यह विजय उसके लिए 'बूस्टर डोज' है

एक तो हिंदी पट्टी के इलाकों में भाजपा से आमने-सामने के चुनावी मुकाबले में कांग्रेस के कमजोर पड़ने से सियासी गणित गड़बड़ाने की चुनौती है। मगर दूसरी मुसीबत यह है कि भाजपा से मुकाबला करना है तो फिर इन क्षेत्रीय दलों के सामने कांग्रेस के साथ चलने की मजबूरी भी है। क्षेत्रीय दलों की इन सियासी सीमाओं को कांग्रेस बखूबी समझती है और इसीलिए तीन बड़े राज्य गंवाने के बाद भी पार्टी ने आईएनडीआईए की बैठक बुलाने की घोषणा कर अपनी सियासत को संभालने की कोशिशें शुरू कर दी है। तेलंगाना की जीत की सियासी सांत्वना के सहारे कांग्रेस अब 2024 के लिए गठबंधन के ढांचे को ज्यादा सुदृढ़ और स्पष्ट स्वरूप देने का प्रयास करेगी। मगर इसमें संदेह नहीं कि पार्टी एक सीमा से ज्यादा क्षेत्रीय दलों पर दबाव डालने की स्थिति में नहीं होगी। विशेषकर उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी तो बिहार में राजद-जदयू के आगे कांग्रेस को अब सम्माजनक समझौते के लिए भारी संघर्ष करना होगा। मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने अखिलेश यादव की जो अनदेखी की है उसके बाद सपा उत्तर प्रदेश में उसे सूबे की 80 लोकसभा सीटों में एक सीमा से अधिक सीटें देने का जोखिम उठाएगी इसमें भी संदेह है।

राजद-जदयू तो पहले से ही गठबंधन में सूबे की 40 में से कांग्रेस को केवल चार-पांच सीटों तक ही सीमित रखने का इरादा रखते हैं। कांग्रेस को सियासी हैसियत दिखाने के लिए इन राज्यों के चुनाव नतीजों के अलावा सपा के पास 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ हुए गठबंधन का उदाहरण भी है, जब सपा ने 105 सीटें उसके लिए छोड़ीं मगर कांग्रेस केवल सात में ही जीत दर्ज कर पायी। इसी तरह बिहार के पिछले विधानसभा चुनाव में भी 70 सीटों पर चुनाव लड़ी कांग्रेस केवल 19 सीटें जीत पायी और राजद का महागठबंधन सत्ता की दहलीज से चंद कदम दूर रह गया था।

सीटों के बंटवारे में कांग्रेस को अब आम आदमी पार्टी के साथ भी दोहरी मशक्कत करनी पड़ेगी, क्योंकि एक ओर उसके दिल्ली और पंजाब के नेता आप से गठबंधन के खिलाफ हैं। वहीं दूसरी ओर लोकसभा में पार्टी की सीटों का आंकड़ा एक-एक सीटें जोड़कर बढ़ाने के लिए कांग्रेस को दिल्ली में आप से गठबंधन की दरकार है। इन नतीजों ने दिल्ली में गठबंधन और पंजाब में अकेले लड़ने की कांग्रेस की संभावनाओं को झटका दिया है और आम आदमी पार्टी ने खुद को उत्तर भारत की सबसे बड़ी पार्टी बताकर व तीन राज्यों में 200 उम्मीदवार खड़े करके कांग्रेस पर दबाव बनाने का संकेत दिया था (हालाँकि इन तीन राज्यों में उसे एक भी सीट नहीं मिली)। इसी तरह बंगाल में ममता बनर्जी कांग्रेस के प्रति उदारता दिखाएंगी इसमें संदेह है। खास बात यह है कि अब मध्य प्रदेश में सपा, हरियाणा में आम आदमी पार्टी तो राजस्थान जैसे राज्यों में रालोद जैसे दल सीटों के बंटवारे में अपनी भागीदारी के लिए जवाबी दबाव बनाएंगे।

गौरतलब है कि 2018 में इन तीनों राज्यों में कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। तो इसी तरह से एक सियासी आशंका पैदा होने लगी थी कि क्या भाजपा का गेम ओवर हो गया है और क्या पहले टर्म के बाद दूसरे टर्म में वो कुछ नहीं कर पाएगी। हाल के समय मेंभाजपा के लिए चिंता की लकीर जो उभरी थी,खासकर कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में हार के बाद, तो ये सवाल उठे थे कि मोदी फैक्टर अब राज्यों में उतना प्रभावी नहीं रहा। अब मोदी अपने दम पे राज्यों पर चुनाव नहीं जीता सकते हैं। कहीं ना कहीं लोकल फैक्टर और स्थानीय चीजें होती हैं वो राज्यों के चुनावों पर हावी हो रही हैं। देखा गया था कि 2014 के बाद कई सारे राज्यों में मोदी ने अपने नाम पर चुनाव जिताया था। लेकिन जब ये सवाल उठे तो ये तीन राज्यों का चुनाव बहुत महत्त्वपूर्ण हो गया था। इसीलिए इन तीनों राज्यों मेंभाजपा ने अपने सीएम उम्मीदवार आगे नहीं किए। आधिकारिक रूप से कहा कि तीनों राज्यों में मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ा जा रहा है।

देखने वाली खास बात यह है की जब पूरा देश चुनाव परिणाम को देख रहा था, उसी बीच 12 बजे दिन में मल्लिकार्जुन खरगे ने तमाम इंडिया के नेताओं को फोन कर दिया था। उन्हें बताया कि 6 तारीख को मीटिंग करने वाले हैं। पिछले दो तीन महीने से तमाम इंडिया गठबंधन के दूसरे जो साथी थे वो मीटिंग करना चाह रहे थे। लेकिन तब ये माना जा रहा था कि कांग्रेस अपनी बारगेन क्षमता बढ़ाना चाहती थी और उसे उम्मीद थी कि तीन तारीख के चुनावी नतीजे उसके पक्ष में आयेंगे। वो छत्तीसगढ़ में गेन कर सकती है। मध्यप्रदेश में उनकी वापसी हो सकती है।

अगर ऐसा होता तो कांग्रेस तमाम गठबंधन के लोगों से सीटों को लेकर बारगेन करती। लेकिन सब कुछ उल्टा हो गया। अब जब 6 तारीख को मीटिंग होगी तो कांग्रेसी की बारगेन क्षमता कम हो जाएगी। क्षेत्रीय पार्टियां एक बार फिर से कांग्रेस को दबाव में रखेंगी । तो अब 6 तारीख को जो मीटिंग होगी उसमें सीधे तौर पर देखना पड़ेगा कि क्षेत्रीय दलों के दबाव को कांग्रेस कितना स्वीकार करती है। ये सब उसी दिन तय होगा। लेकिन ये तय हो गया कि अब कांग्रेस आम चुनाव तक गठबंधन पर उस तरह से हावी नहीं हो पाएगी, जैसा हाल की कुछ समय पहले तक वो हावी थी।

मंथन

राजस्थान में किसी 'खट्टर' की तलाश

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

राजस्थान में भाजपा की भारी जीत के बाद कौन बनेगा मुख्यमंत्री, इसको लेकर गांव गुवाड़ से लेकर राजधानी तक सियासत गरमाई हुई है। प्रदेश में 199 विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव में बीजेपी को 115 सीटों पर जीत मिली है। भाजपा के आधा दर्जन बागी भी जीते है जिनका समर्थन भी भाजपा को मिलने के पूरे आसार है। भाजपा ने अपने बूते पर भी स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। कांग्रेस को 69 सीटों पर जीत मिली है। भाजपा में मुख्यमंत्री के पद के लिए इस समय केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अश्विनी वैष्णव, अर्जुन राम मेघवाल, राज्य वर्धन सिंह राठौड़, दिया कुमारी, ओम बिरला, ओम माथुर, बाबा बालक नाथ और सीपी जोशी के नामों की चर्चा सबसे ज्यादा हो रही है। निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और उप नेता सतीश पूनिया चुनाव हार जाने के बाद मुख्य मंत्री की दौड़ से बाहर हो गए है। वसुंधरा राजे भी सदाबहार नेता के रूप में सीएम की दौड़ में शामिल है। दो बार प्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकीं वसुंधरा राजे के बारे में कहा जा रहा है कि वह आलाकमान की पसंद नहीं हैं। वसुंधरा राजे के पिछले कार्यकाल और फिर भाजपा सरकार की हार के बाद मोदी और अमित शाह के मतभेद की बातें सार्वजनिक रूप से उजागर हुई थी। 2018 में हार के बाद वसुंधरा के विश्वस्त प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी से भाजपा आलाकमान ने इस्तीफ़ा मांग लिया था। गजेंद्र सिंह शेखावत को मोदी और शाह प्रदेश अध्यक्ष बनाना चाहते थे मगर वसुंधरा के भारी विरोध के कारण यह संभव नहीं हुआ और बिना जनाधार वाले एक नेता मदन लाल सैनी को प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपनी पड़ी। मोदी और शाह के मन में उस समय उत्पन्न हुई यह खटास आज भी कहीं न कहीं खटक रही है। इसी कारण वसुंधरा को विधान सभा चुनाव में सीएम फेस घोषित नहीं किया गया। यह चुनाव मोदी के फेस और कमल के फूल पर लडकर जीता गया। भाजपा के पर्यवेक्षक विधायक दल की बैठक में शामिल होंगे और विधायकों के साथ बैठक कर उनकी राय जानेंगे। भाजपा के सभी बड़े नेताओं को राय शुमारी के लिए दिल्ली बुला लिया गया है। बहरहाल नव निर्वाचित भाजपा विधायक दल की बैठक अति शीघ्र बुलाई जाकर नेता पद के लिए सर्वसम्मति से एक औपचारिक प्रस्ताव पारित कर भाजपा आलाकमान को भिजवाया जायेगा। भाजपा पार्लियामेंट्री बोर्ड इस पर अंतिम निर्णय लेगा। कहने का तात्पर्य है मोदी ही नेता का चुनाव करेंगे। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मन की थाह लेना मुश्किल ही नहीं अपितु असंभव है। राजसमंद की सांसद दीया कुमारी इस समय सर्वाधिक चर्चाओं में है। वसुंधरा राजे की तरह राजपरिवार से आती हैं और उन्हें नरेंद्र मोदी समेत पूरे भाजपा आलाकमान का पसंदीदा माना जाता है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला अपनी साफ़ सुथरी छवि के कारण मोदी केविश्वस्तों में गिने जाते है। सियासी हलकों में यह चर्चा भी व्याप्त है की हरियाणा की तरह राजस्थान में भी एक खट्टर प्रदेश का मुख्यमंत्री होगा। यह खट्टर कौन है इस पर सब की निगाह है। मोदी ने हरियाणा में जनाधार वाले नेताओं को छोड़कर एक नए चेहरे मनोहर लाल खट्टर को 2014 में मुख्यमंत्री बनाकर सियासी क्षेत्रों में धमाका कर दिया था। मोदी के मन की थाह लेने वाले लोग कई नामों पर सुई घुमा रहे है।

चिंतन

एग्जिट पोल हो गए फेल

योगेश कुमार गोयल

फोन : 9416740584

तेलंगाना विधानसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया के समापन के साथ ही पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम सर्वे एजेंसियों ने अपने-अपने एग्जिट पोल्स का प्रसारण कर दिया था। मिजोरम में 7 नवम्बर, छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवम्बर, मध्य प्रदेश में 17 नवम्बर, राजस्थान में 25 नवम्बर और तेलंगाना में 30 नवम्बर को मतदान हुआ था। अधिकांश एग्जिट पोल में राजस्थान और मध्य प्रदेश में सत्ता के लिए कांटे की टक्कर होने का अनुमान लगाया था लेकिन कुछ एग्जिट पोल ऐसे भी थे, जिनमें किसी में कांग्रेस की एकतरफा जीत का अनुमान व्यक्त किया गया था तो किसी में भाजपा की। राजस्थान में आज तक-एक्सिस माय इंडिया के एग्जिट पोल में कांग्रेस के 86-106 जबकि भाजपा के 80-100 सीटें जीतने का अनुमान लगाया था, वहीं जन की बात के एग्जिट पोल के अनुसार कांग्रेस को केवल 62-85 सीटें और भाजपा को 100-122 सीटें मिलने का अनुमान था। इंडिया टीवी-सीएनएक्स के एग्जिट पोल में कांग्रेस को 94-104 सीटें मिलने का अनुमान था जबकि भाजपा के 80-90 सीटों पर ही सिमटने की भविष्यवाणी भी थी जबकि दैनिक भास्कर के एग्जिट पोल के मुताबिक भाजपा को 95-115 और कांग्रेस को 105-120 सीटें मिलने की संभावना व्यक्त की गई थी। जन की बात के एग्जिट पोल में भाजपा को 100-123 और कांग्रेस को 102-125 सीटें मिलने का अनुमान था। टीवी-9 पोलस्ट्रैट के एग्जिट पोल में कहा गया था कि भाजपा को 106 और कांग्रेस को 111-121 सीटें मिल सकती हैं। छत्तीसगढ़ में तो लगभग सभी एग्जिट पोल कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलने की बात कही गई थी। राजस्थान में न्यूज 24-टुडेज चाणक्य ने भाजपा को 77-101, कांग्रेस को 89-113 और अन्य को 2-16 सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया था। इसी प्रकार भाजपा, कांग्रेस तथा अन्य को इंडिया टुडे-एक्सिस माई इंडिया ने क्रमशः 80-100, 86-106 तथा 9-18, टीवी9-पोलस्टार ने 100-110, 90-100 तथा 5-15, दैनिक भास्कर ने 95-115, 105-120 तथा 0-15 सीटें मिलने की संभावना व्यक्त की थी। वहीं एबीपी-सी वोटर ने भाजपा, कांग्रेस तथा अन्य को क्रमशः 94-114, 71-91 सीटें मिलने का अनुमान जताया था। चुनावी नतीजे देखें तो राजस्थान में भाजपा को 115, कांग्रेस को 69 तथा अन्य को 15 सीटें मिली हैं जबकि मध्य प्रदेश में भाजपा को 164, कांग्रेस को 65 और अन्य को 1 सीट मिली हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में भी भाजपा तमाम एग्जिट पोल के अनुमानों से परे 54 सीटें हासिल कर पूर्ण बहुमत हासिल करने में सफल रही है।

देखने वाली बात यह है कि इनमें से कई एग्जिट पोल के आंकड़ों में बड़ा अंतर था और साथ ही इनमें प्लस-माइनस का भी बड़ा खेल शामिल रहता है। यही कारण है कि एग्जिट पोल में किए जाने वाले दावों पर अब आंख मूंदकर भरोसा नहीं किया जाता क्योंकि ये केवल चुनाव परिणामों का पूर्वानुमान ही होते हैं और अभी तक कई बार ऐसा हो चुका है, जब विभिन्न एग्जिट पोल में किए गए पूर्वानुमान से चुनाव परिणाम बिल्कुल उलट रहे। वैसे चुनावी सर्वे कराए जाने का इतिहास बहुत पुराना है और दुनिया के कई देशों में ऐसे सर्वे कराए जाते हैं। चुनावी प्रक्रिया के दौरान जब तक अंतिम वोट नहीं पड़ जाता, तब तक किसी भी रूप में एग्जिट पोल का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

यही कारण है कि एग्जिट पोल मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही दिखाए जाते हैं। मतदान खत्म होने के कम से कम आधे घंटे बाद तक एग्जिट पोल का प्रसारण नहीं किया जा सकता। इनका प्रसारण तभी हो सकता है, जब चुनावों की अंतिम दौर की वोटिंग खत्म हो चुकी हो। यह नियम तोड़ने पर दो वर्ष की सजा या जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं। यदि कोई चुनाव कई चरणों में भी सम्पन्न होता है तो एग्जिट पोल का प्रसारण अंतिम चरण के मतदान के बाद ही किया जा सकता है लेकिन उससे पहले प्रत्येक चरण के मतदान के दिन डेटा एकत्रित किया जाता है।

एग्जिट पोल से पहले चुनावी सर्वे किए जाते हैं और सर्वे में बहुत से मतदान क्षेत्रों में मतदान करके निकले मतदाताओं से बातचीत कर विभिन्न राजनीतिक दलों तथा प्रत्याशियों की हार-जीत का आकलन किया जाता है। अधिकांश मीडिया संस्थान कुछ प्रोफैशनल एजेंसियों के साथ मिलकर एग्जिट पोल करते हैं। ये एजेंसियां मतदान के तुरंत बाद मतदाताओं से यह जानने का प्रयास करती हैं कि उन्होंने अपने मत का प्रयोग किसके लिए किया। उन्हीं आंकड़ों के गुणा-भाग के आधार पर हार-जीत का अनुमान लगाया जाता है। इस आधार पर किए गए सर्वेक्षण से जो व्यापक नतीजे निकाले जाते हैं, उसे ही एग्जिट पोल' कहा जाता है। चूंकि इस प्रकार के सर्वे मतदाताओं की एक निश्चित संख्या तक ही सीमित रहते हैं, इसलिए एग्जिट पोल के अनुमान हमेशा सही साबित नहीं होते।

एग्जिट पोल वास्तव में कुछ और नहीं बल्कि वोटर का केवल रूझान होता है, जिसके जरिये अनुमान लगाया जाता है कि नतीजों का झुकाव किस ओर हो सकता है। एग्जिट पोल के दावों का ज्यादा वैज्ञानिक आधार इसलिए भी नहीं माना जाता क्योंकि ये कुछ हजार लोगों से बातचीत करके उसी के आधार पर तैयार किए जाते हैं। वास्तव में ये सिर्फ अनुमानित आंकड़े होते हैं और कोई जरूरी नहीं कि मतदाता ने सर्वेकर्ताओं को अपने मन की सही बात ही बताई हो। यही कारण है कि एग्जिट पोल की विश्वसनीयता को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

मुलाकात

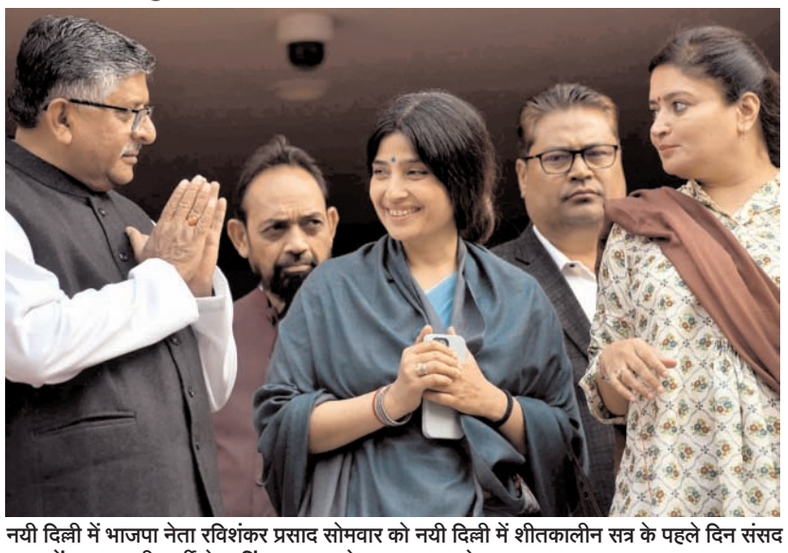

नयी दिल्ली में भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद सोमवार को नयी दिल्ली में शीतकालीन सत्र के पहले दिन संसद भवन में समाजवादी पार्टी नेता डिंपल यादव से मुलाकात करते हुए।

'लालच और सत्ता की लालसा' के चलते हारी कांग्रेस : विजयन

त्रिशूर (केरल)/भाषा

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कांग्रेस की कड़ी आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि उसका ''लालच और सत्ता की लालसा'' हिंदी भाषी राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनावों में उसकी हार की वजह है।

विजयन ने कहा कि कांग्रेस ने सोचा कि वह अपने दम पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जीत सकती है और इसलिए उसने भाजपा के खिलाफ संयुक्त मोर्चा बनाने के वास्ते इन राज्यों में 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवेलपमेंट इन्क्लूसिव एलायंस) गठबंधन के अन्य दलों के साथ हाथ नहीं मिलाया।

उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''अगर उन्होंने अन्य दलों के साथ हाथ मिलाया होता तो यह नतीजा नहीं होता। वे लालची थे और उन्हें सत्ता की लालसा थी। वे सब कुछ अपने लिए चाहते थे। इसके कारण उन राज्यों में ऐसी स्थिति पैदा हुई। अगर हर कोई एकजुट होता तो परिणाम पूरी तरह अलग होता।''

विजयन उन सवालों का जवाब दे रहे थे कि तीन राज्यों में कांग्रेस की करारी हार की क्या वजह रही, जिनमें से राजस्थान और छत्तीसगढ़ में उसकी सरकार थी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस नेता कमलनाथ के समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन करने के खिलाफ रहने के कारण वहां पार्टी की हार हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने सपा के साथ सीटों के बंटवारे का प्रस्ताव रखा था लेकिन कमलनाथ इसके खिलाफ थे। उन्होंने दावा किया कि राजस्थान में भी यही हुआ और कांग्रेस ने अन्य धर्मनिरपेक्ष दलों के साथ मिलकर काम करने से इनकार कर दिया।

जैकी श्राफ की फिल्म 'मस्त में रहने का' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्राफ की आने वाल फिल्म 'मस्त में रहने का' ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म 'मस्त में रहने का' की की कहानी दो अकेले रह रहे बुजुर्ग जैकी श्रॉफ और नीना गुप्ता की है, जो बाद में एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। फिल्म 'मस्त में रहने का' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।ट्रेलर में देखा जा सकता है कि पुलिस अकेले रह रहे बुजुर्ग को चोरी को लेकर आगाह करते हैं। जैकी श्रॉफ, नीना गुप्ता के पड़ोस में रहने के लिए आते हैं। वह अपने पड़ोसियों के साथ सोशल होने की कोशिश में लग जाते हैं। उनकी मुलाकात नीना से होती है, जो मस्तमौला होने के साथ-साथ मुंहफट भी होती हैं। जैकी श्रॉफ चोर की तरह सर्वे करते हैं और नीना गुप्ता के घर के नीचे 10 दिनों तक खड़े रहते हैं। बाद में दोनो की दोस्ती हो जाती है। फिल्म में राखी सावंत भी नजर आएंगी।

विजय मौर्य के निर्देशन में बनी 'मस्त में रहने का' में नीना गुप्ता, जैकी श्रॉफ, राखी सावंत के अलावा मोनिका पनवार और अभिषेक चौहान मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के निर्देशन के साथ-साथ विज मौर्य ने इसका निर्माण और लेखन भी किया है। यह फिल्म 08 दिसंबर 2023 को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

भारत की ओर से ऑस्कर में जाए 'द रेलवे मेन' : मेनन

मुंबई/एजेन्सी

प्रशंसित अभिनेता के के मेनन की इच्छा है कि उनकी सीरीज 'द रेलवे मेन' ऑस्कर में जाए। उनका मानना है कि इस सीरीज ने भारत को ग्लोबल स्टेज पर गौरवान्वित किया होगा। के के ने कहा, काश 'द रेलवे मेन' ऑस्कर में भारत की एंट्री के तौर पर क्वालिफाइड हो सके। यह सीरीज दुनिया को दिखाती है कि एक देश के रूप में हमने उस भयावह रात में क्या झेला था और निस्वार्थ भारतीयों की भावना को भी दिखाती है, जिन्होंने अनगिनत लोगों को मरने से बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी।'' 4-पार्ट वाली यह मिनी सीरीज 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के दौरान सेट की गई है, जिसने देश को हिलाकर रख दिया था। इसका निर्देशन नवोदित निर्देशक शिव रवैल ने किया है।

के के मेनन ने कहा, ''यह सीरीज वास्तव में हर ग्लोबल स्टेज पर भारत का प्रतिनिधित्व करने और दुनिया भर के लोगों को दुर्गम खतरे में हमारे एकजुटता को परिभाषित करने की हकदार है। 'द रेलवे मेन' एक ऐसा शो है जिस पर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए।'' के के मेनन का मानना है कि 'द रेलवे मेन' उनके करियर के अब तक का सबसे बेहतरीन कामों में एक है। उन्होंने कहा, ''यह मेरी फिल्मोग्राफी में अब तक का सबसे बेहतरीन प्रोजेक्ट्स में से एक है जिसका मैं हिस्सा रहा हूं। मैं उस प्रतिक्रिया से रोमांचित हूं जो सीरीज को विश्व स्तर पर पहले ही मिल चुकी है। यह सभी के प्यार की हकदार है। यह अमर मानवीय भावना को हमारी श्रद्धांजलि है और यह भोपाल के उन सभी गुमनाम नायकों को भी श्रद्धांजलि है जिनके बलिदान ने उन हजारों लोगों को बचाया जो इस बात से अनजान थे कि हवा में मूक हत्यारे से कैसे लड़ना है।'' सीरीज में आर. माधवन, दिव्येंदु और बाबिल खान भी शामिल हैं।

न्यायपालिका में 'बड़ी मछलियों' को पकड़ने के लिए आवश्यक प्रावधान की आवश्यकता : कार्ति चिदम्बरम

नई दिल्ली/भाषा

कांग्रेस ने न्यायपालिका को दलालों से पूरी तरह मुक्त करने के लिए 'बड़ी मछलियों' को पकड़ने के लिए आवश्यक प्रावधान करने की सोमवार को आवश्यकता जताई।

कांग्रेस सांसद कार्ति चिदम्बरम ने अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक, 2023 पर लोकसभा में चर्चा के दौरान कहा कि छोटी अदालतों में छोटे-मोटे दलालों के खिलाफ पहल करने के साथ-साथ केंद्र को 'बड़ी मछलियों' को पकड़ने के लिए प्रावधान करना चाहिए।

चिदम्बरम ने कहा कि 'बिचौलिया' भारतीय संस्कृति का हिस्सा हैं। उन्होंने शादी-विवाह से लेकर हर मामले में बिचौलियों की मौजूदगी का जिक्र करते हुए कहा कि यहां तक कि राजनीति में भी 'बिचौलिया' हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस विधेयक के समर्थन में है, लेकिन जटिल विधिक प्रक्रिया और सामाजिक असमानता के कारण दलाल पैदा होते हैं।

केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने अपनी उपयोगिता खो चुके 'सभी अप्रचलित कानूनों या स्वतंत्रता-पूर्व अधिनियमों' को निरस्त करने के केंद्र सरकार के प्रयास के आलोक में लोकसभा में अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक विचार एवं पारित किये जाने के लिए पेश किया।

यह विधेयक राज्य सभा से पहले ही पारित हो चुका है।

सरकार ने भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) के परामर्श से लीगल प्रैक्टिशनर्स एक्ट, 1879 को निरस्त करने और अधिवक्ता अधिनियम, 1961 में संशोधन करने का निर्णय लिया है। विधेयक का उद्देश्य 'अनावश्यक अधिनियमों' की संख्या कम करने के लिए अधिवक्ता अधिनियम, 1961 में 'लीगल प्रैक्टिशनर्स एक्ट, 1879' की धारा 36 के प्रावधानों को शामिल करना है। यह धारा अदालतों में दलालों की सूची तैयार करने और प्रकाशित करने की शक्ति प्रदान करती है।

नई दिल्ली में संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को नई दिल्ली में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी।

धर्मेंद्र ने बेटे बॉबी देओल को दी बधाई

मुंबई/एजेन्सी

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' में अपने बेटे बॉबी देओल के अभिनय की सराहना की और उन्हें 'प्रतिभाशाली' बताया। रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म 'एनिमल' में बॉबी ने एक खतरनाक विलेन की भूमिका निभाई है। धर्मेंद्र ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से बॉबी की एक तस्वीर साझा की और अपने बेटे की प्रशंसा करने के साथ-साथ 'एनिमल' की समीक्षा दी। 'शोले' फेम अभिनेता ने लिखा: मेरे प्रतिभाशाली बॉब, उसके बाद गुलाबी दिल वाले इमोजी। बॉबी ने पोस्ट पर टिप्पणी की और कहा: लव यू पा। फैन्स ने लिखा, 'बम परफॉर्मेंस, डायलॉग्स के बजाय आंखों से ज्यादा बातें।'

एक अन्य यूजर ने कहा: यह साल देओल की वापसी के नाम है। ऐसा करो कि दुनिया याद रखे। इससे पहले बॉबी ने मूक किरदार निभाने की चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की थी। मैं एक ऐसा किरदार निभाना चाहता था जो मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर हो। मैं चाहता हूं कि यह और अधिक चुनौतीपूर्ण हो क्योंकि यह एक व्यक्ति का सर्वश्रेष्ठ बाहर लाता है और मुझे लगता है कि मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ है।''

'एनिमल' 'कबीर सिंह' फेम संदीप रेड्डी वांगा द्वारा सह-लिखित, संपादित और निर्देशित है। 'एनिमल' में रणबीर, अनिल कपूर, बॉबी और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में तृप्ति डिमरी, शक्ति कपूर, प्रेम चोपड़ा और सुरेश ओबेरॉय भी हैं।

'एनिमल' में रणबीर कपूर के साथ काम करना अद्भुत अनुभव : त्रिप्ति डिमरी

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री त्रिप्ति डिमरी का कहना है कि फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर के साथ काम करना उनके लिये अद्भुत अनुभव रहा है। संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित एनिमल में रणबीर कपूर,अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी जैसे कलाकार प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म एनिमल रिलीज हो गयी है। 'एनिमल' में त्रिप्ति डिमरी और रणबीर कपूर की शानदार केमिस्ट्री नजर आ रही है। त्रिप्ति डिमरी ने कहा, रणबीर कपूर के साथ काम करना अद्भुत था। यह सच हैं कि वह एक महान अभिनेता होने के अलावा एक गर्मजोशी से स्वागत करने वाले इंसान हैं, उनके बारे में बहुत कुछ बताता है। मुझे उनके साथ काम करने में बहुत मजा आया और दर्शकों को हमारी केमिस्ट्री को इतना पसंद करते देखना बहुत अच्छा लगता है। मुझे उम्मीद है कि हम भविष्य में फिर से काम करेंगे।

जश्न

सोमवार को श्रीनगर में भाजपा मुख्यालय के बाहर तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता ।

अमेरिका के प्रधान उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात की

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका के प्रधान उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर ने सोमवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की और विभिन्न द्विपक्षीय तथा वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की।

नई दिल्ली में यह बैठक अमेरिकी अभियोजकों द्वारा अमेरिका में खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की साजिश में कथित संलिप्तता को लेकर एक भारतीय नागरिक के खिलाफ अदालत में दायर किए गए एक मामले की पृष्ठभूमि में हुई।

समझा जाता है कि जयशंकर और फाइनर के बीच बैठक में यह मुद्दा उठा, हालांकि इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, आज दोपहर अमेरिका के प्रधान उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर से अच्छी मुलाकात हुई। वैश्विक स्थिति पर विचारों का सार्थक आदान-प्रदान हुआ। हमारे द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई।

भारत ने बृहस्पतिवार को अमेरिका द्वारा एक भारतीय अधिकारी को सिख चरमपंथी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोपी व्यक्ति से जोड़ने को चिंता का विषय बताया था। नई दिल्ली ने संबंधित आरोपों की जांच के लिए एक जांच दल का गठन किया है और कहा कि आगे के कदम आरोपों की जांच कर रहे दल के निष्कर्षों के आधार पर उठाए जाएंगे।

अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने 29 नवंबर को 52 वर्षीय निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया।

वर्ष 2025 में रिलीज होगी अक्षय कुमार की 'हाउसफुल 5'

मुंबई/भाषा

अक्षय कुमार और रितेश देशमुख अभिनीत फिल्म 'हाउसफुल 5' छह जून 2025 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म निर्माण कंपनी ने यह जानकारी दी। 'दोस्ताना' और 'ड्राइव' जैसी फिल्मों के निर्देशक तरुण मनसुखानी फिल्म 'हाउसफुल 5' का निर्देशन करेंगे। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित यह फिल्म पहले अगले साल दीपावली के मौके पर रिलीज होने वाली थी। फिल्म निर्माण कंपनी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, हाउसफुल फ्रैंचाइजी को मिली भारी सफलता का श्रेय दर्शकों को जाता है और हमें उम्मीद है कि 'हाउसफुल 5' को भी दर्शकों का उतना ही प्यार मिलेगा। टीम ने एकदम शानदार कहानी तैयार की है, जिसमें शीर्ष स्तर के वीएफएक्स की जरूरत है।

फिल्म निर्माण कंपनी 'नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट' के 'एक्स' पर एक बयान में कहा गया है, ''इसलिए हमने, बेहतरीन सिनेमाई अनुभव के साथ पांच गुना मनोरंजन सुनिश्चित करने के लिए फिल्म प्रदर्शन की तारीख को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। हाउसफुल 5 अब छह जून 2025 को रिलीज होगी। हाउसफुल 5 की आधिकारिक घोषणा इस साल जून में की गई थी।

मानसिक थकान और कमजोरी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का अभिन्न हिस्सा : शीबा आकाशदीप

मुंबई/एजेन्सी

'कुटुंब', 'हासिल' समेत अन्य फिल्मों में अपने काम के लिए मशहूर एक्ट्रेस शीबा आकाशदीप का मानना है कि न सिर्फ एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में, बल्कि किसी भी इंडस्ट्री में खुद को साबित करने के लिए रेफरेंस या धक्के की जरूरत है। 'नागिन 6' फेम एक्ट्रेस ने कहा, यह हमारे क्षेत्र के लिए अनोखा नहीं है, और दुर्भाग्य से, इस पहलू ने बिना किसी वैध कारण के खराब प्रतिष्ठा प्राप्त की है। मेरिट की अपनी वैल्यू है, लेकिन कॉन्टैक्ट्स के बिना सही समय पर सही जगह तक पहुंचना मुश्किल है। यहां ऐसे कई लोग हैं जो छोटे कस्बों और शहरों से आए हैं और उनके माध्यम से हमें अद्भुत प्रतिभा मिली है।'' शीबा ने कहा, मुझे लगता है कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपके सितारे कितने चमकीले हैं। नेपोटिज्म हर जगह, हर इंडस्ट्री में मौजूद है। अगर कोई डॉक्टर है, तो उसका बच्चा डॉक्टर बन सकता है, अगर कोई वकील है, तो उसका बच्चा वकील बन सकता है, अगर कोई अभिनेता है, तो उसका बच्चा अभिनेता बन सकता है। इसमें मुश्किल क्या है? आप अपने बच्चों को घर पर जो दिखाते हैं उसका महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। वे न केवल फॉर्मल टीचिंग के जरिए बल्कि आपके उदाहरण के माध्यम से भी सीखते हैं। इसलिए, अगर मेरे बच्चे मुझे लगातार एक्टिंग करते हुए देखेंगे, तो उनमें से कोई एक होगा जो एक्टिंग करना चाहेगा।''सही अवसर न मिलना या अच्छा अवसर गंवाना निराशाजनक हो सकता है। अभिनेत्री ने कहा, आप जो काम चाहते हैं, उसके न मिलने पर हताशा हो सकती है और अवसर खोने से आपका दिल टूट जाता है। इसलिए अभिनेता मानसिक रूप से बहुत अस्थिर होते हैं क्योंकि उनका दिल ठीक होने की तुलना में अधिक बार टूटता है। इसलिए मानसिक थकान और मानसिक नाजुकता हमारे इंडस्ट्री का एक अभिन्न अंग है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | मंगलवार | 05-12-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीवनयापन और जीवन-लक्ष्य दो भिन्न बातें हैं। प्रायः सामान्य लोगों का जीवन-लक्ष्य जीवनयापन ही रहता है। खाना-कमाना, ब्याह- शादी, लेन-देन, व्यवहार-व्यापार आदि साधारण क्रमों को पूरा करते हुए मृत्यु तक पहुंच जाना, बस इसके अतिरिक्त उनका और कोई लक्ष्य नहीं होता। एक जीविका का साधन जुटा लेना, एक परिवार बसा लेना और बच्चों का पालन-पोषण करते हुए शादी-ब्याह आदि कर देना मात्र ही साधारणतया लोगों ने जीवन-लक्ष्य मान लिया है। मीठे फल खाने की इच्छा से दो मित्र एक बगीचे में गए।

जलभराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में मिचौंग तूफान के कारण हो रही भारी बारिश के चलते शहर के अनेक रियाहशी इलाके जलमग्न की स्थिति में है। उसी तरह साहुकारपेट के कोंडीथोप इलाके में भी घुटने तक पानी भर गया, इलाके के निवासियों को आने जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे ही बारिश के पानी से लबालब भरी सड़क से गुजरते हुए क्षेत्र के लोग।

साधु साध्वियों की निश्रा में अर्हम विहार सेवा ग्रुप का स्नेह मिलन सम्पन्न

अर्हम विहार सेवा ग्रुप की वैयावच्च सेवा की संतों ने की सराहना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के आरजी स्ट्रीट स्थित राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ द्वारा संचालित सुपार्श्वनाथ बड़ा मंदिर में सोमवार को अर्हम विहार सेवा ग्रुप का स्नेह मिलन कार्यक्रम आचार्यश्री कुं दकुं दसूरीश्वरजी, विनयधर्मसूरीश्वरजी, धर्मसूरीश्वरजी की समुदायवर्ती साध्वीश्री वीरेशपद्माश्रीजी व मयूरयशाश्रीजी की निश्रा में आयोजित हुआ। इस मौके पर आचार्यश्री विहार सेवा के महत्त्व व उसके पुण्य के बारे में बताते हुए कहा कि साधु साध्वी अपना घर,माता-पिता छोड़कर संयम जीवन में विहार के समय पूरे जैन समाज को माता-पिता मानते ही है। माता-पिता रूपी जैन समाज का कर्तव्य है की साधु साध्वियों को विहार के दौरान कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

किशोर जैन ने बताया कि वर्ष 2021 में साध्वीश्री संयमप्रभाजी के नीलगिरि विहार के दौरान अर्हम विहार सेवा ग्रुप ऊटी का गठन किया गया। उसके बाद दो वर्ष के बाद कोयम्बटूर के शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर में चातुर्मास के दौरान अर्हम ग्रुप कोयम्बटूर का गठन किया। आज इस ग्रुप में करीब 140 सदस्य है जो ऊटी, पोलाची, केरल, तिरुपुर, पलनी, मदुरै, कन्याकुमारी से आने जाने वाले संतों को विहार के दौरान सेवा देते हैं। नीलेश शाह ने बताया कि कोयम्बटूर के समाजसेवी इन्दरचन्द कोठारी के अच्छे परिचय व सम्पर्क होने के कारण उनकी पहुंच व जानकारी के कारण संतों की सेवा करने में आसानी होती है। यह ग्रुप साधु साध्वियों को केरल के प्रसिद्ध प्राचीन तीर्थ कलीकुंड पार्श्वनाथ की यात्रा कराने में भी सहयोग व सेवा देता है। इस इलाके में जैन घर न होने के कारण अर्हम ग्रुप की सेवा बहुत सहयोगी हो जाती है। इस कार्यक्रम में भगवान महावीर गौशाला के अध्यक्ष बाबूलाल सिंघवी अपनी कार्यकारिणी सदस्यों के साथ मौजूद थे। आगामी रविवार को भगवान महावीर गौशाला में आयोजित कार्यक्रम में आसपास विचरित सभी साधु साध्वियां के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में सबका स्वागत मदन मोहन ने किया। संचालन महावीर मेहता और नीलेश शाह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन रमेश कोठारी ने दिया।

'रजत' द्वारा दंत, नेत्र व शकरा जांच शिविर संपन्न, सैंकड़ों लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु(रजत) द्वारा रविवार को पट्टालम स्थित शांतिनाथ भवन में दंत चिकित्सा, नेत्र चिकित्सा व डायबिटीज जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें दंत विशेषज्ञ एवं तमिलनाडु गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज के एमिरटस प्रोफ़ेसर केएस नाजर व उनके डाक्टरों की टीम द्वारा 74 लोगों के दांतों की जांच की गई। जैन मेडिकल सोसाइटी द्वारा संचालित भगवान महावीर आई हॉस्पिटल, रायपुरम की टीम द्वारा 96 लोगों की आंखों की जांच की गई जिसमें से 70 लोगों को चश्मा बनाकर दिए जाएंगे, साथ ही पांच लोगों का मोतियाबिंद ऑपरेशन करवाया जाएगा। सुवादेवी नाहर डायबिटिक हॉस्पिटल, कोडम्बाकम द्वारा 74 जनों की बीपी व शुगर जांच की गई व परामर्श दिया गया।

शिविर में प्रार्थना उपरांत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अध्यक्ष मोहनलाल बजाज ने सभी का स्वागत किया। स्वास्थ्य समिति के चेयरमैन श्रीपाल कोठारी ने चिकित्सा शिविर के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सभी डॉक्टरों का सम्मान शाल व स्मृति चिन्ह से चयनित अध्यक्ष प्रवीण टाटिया, को-चेयरमैन मंगलचंद तातेड़, सचिव जयंतीलाल तलेसरा एवं अन्य पदाधिकारियों ने किया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त सचिव ज्ञानचंद कोठारी ने किया। सहसचिव अजय नाहर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सभी चिकित्सकों को अध्यक्ष मोहनलाल बजाज ने भेंट देकर सम्मानित किया। शिविर को सफल बनाने में अजीत नागोरी, राजेंद्र बेताला, महेंद्र कुंकुलोल, शांतिलाल कांकरिया, ऋषभ सुखलेचा, गणगौर की चेयरपर्सन कांता बिसानी, रेखा सिंघी, डिंपल नावेटिया एवं अनेक सदस्यों का सहयोग रहा।

साधु-संतों से नहीं, उनके प्रवचनों से प्रेम करें : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरीट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में चातुर्मास सम्पन्न कर साध्वी भव्यगुणाश्रीजी व शीतलगुणाजी ने गुजरात की ओर विहार प्रारंभ कर दिया। अपने विहार के दौरान एक श्रद्धालु के निवास पर साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि जब हम बेंगलूरु आए तब हम सभी से अपरिचित थे, चार साल के लम्बे अंतराल से बेंगलूरु से एक अलग नाता बन गया है, बहुत से परीचित हो गए है। आज विदाई के समय ऐसा लग रहा है जैसे कि बेटी को विदाई दे रहे हैं, लेकिन साधु-संतों का संबंध उनसे व्यक्तिगत नहीं होता। उनके संबंध तो प्रवचनों, धर्म से होता है। उनके सिद्धांतों पर अमल करना ही उनके साथ रिश्ते निभाना जैसा है।

साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि साधु-संत तो व्यक्तियों के आदर्श होते हैं। भगवान महावीर से हम सबके 2550 साल पुराने संबंध हैं, उन रिश्तों को उनके सिद्धांतों के अनुसरण करके बनाए हुए हैं। इसी प्रकार हमने चार साल में जिन वाणी के जो बीज यहां बोए हैं, उन्हें पल्लवित करना ही हमारे साथ रिश्ते निभाने जैसा है। हमें आप भले ही भूल जाओ पर धर्म को कभी मत भूलना।

धर्म और परमात्मा के साथ श्रद्धा को बहुत मजबूत करना है। अब आप सभी को जिन वाणी की फसल लहलहानी है। बेंगलूर विदाई पर राजेंद्र भवन से विदा होकर साध्वीद्वय धर्मीचंद,प्रकाशचंद कुंकुलोल के आवास पर पहुंची। विदाई से पूर्व उन्हें सिमंधर स्वामी राजेंद्रसूरी संघ मामुलपेट ने विदाई की कामली अर्पण कर साध्वियों को विदाई दी। इस अवसर पर अध्यक्ष मेघराज भंसाली, तिलोकचंद भंडारी ने सभी का आभार व्यक्त किया। विहार सेवा मे काफी संख्या में श्रद्धालु श्रावक श्राविकाओं ने लाभ लिया। कुंकुलोल परिवार द्वारा सभी का आतिथ्य सत्कार किया गया।

उत्तरप्रदेश सेवा मंडल ने हर्षोल्लास से मनाया दीपोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के उत्तरप्रदेश सेवा मण्डल का दीपावली स्नेह मिलन समारोह 'दीपोत्सव' रविवार को विजयनगर स्थित कासिया भवन में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ धूमधाम से मनाया गया। मंडल के पदाधिकारियों तथा अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ दीपोत्सव का शुभारंभ हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के पूर्व आवास एवं ढांचागत विकास मंत्री एम. कृष्णप्पा एवं गोविन्दराज नगर के विधायक प्रियाकृष्णा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डीसीपी लोकायुक्त बाली पाशा, पुलिस कमांडेंट हमजा हुसैन एवं दूरदर्शन निदेशक जेबुल्ला उपस्थित थे। अध्यक्ष केके दुबे, उपाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा, सचिव वीके पटेल सहित अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों का सम्मान किया। मंडल की ओर से सर्वेश शर्मा को समाज सेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु 'उत्तरप्रदेश रत्न' के अलंकरण से नवाजा गया। अध्यक्ष केके दुबे ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने शहर के जेपी नगर स्थित सेवा मंडल के भूखंड पर भवन निर्माण का कार्य जल्द शुरू करने के बारे में जानकारी दी। सभी सदस्यों ने भवन निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू करने का संकल्प लेते हुए इस कार्य हेतु हरसंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया।

दीपोत्सव के अन्तर्गत दीपावली धमाल कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने बच्चों ने गीत, संगीत व नृत्य से सजी अपनी रंगारंग प्रस्तुतियों से सबको मंत्रमुग्ध किया। प्रवीण मिश्रा, दिलीप, नरेश तथा संगीता ने सदाबहार सुरीले फिल्मी नगमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण मिश्रा ने किया और अंत में सचिव वीके पटेल ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर समाज के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

भाजपा की रिकॉर्ड जीत पर कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया, निकाली रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कैलाशनगर। राजस्थान में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला और प्रत्याशियों की जीत हुई। भारतीय जनता पार्टी मंडल कैलाश नगर के मंडल अध्यक्ष गणेश राजपुरोहित के नेतृत्व में नगर के सभी कार्यकर्ताओं ने प्रत्याशियों की जीत पर विजयी रैली निकाली। रैली गांव के सभी मुख्य मार्ग पर होते हुए बसस्टेंड पर सम्पन्न हुई। भाजपा वरिष्ठ नेता नाथुराम पुरोहित, प्रधान प्रतिनिधि विशनसिंह, प्रवासी प्रकोष्ठ चेन्नई के संयोजक हंसराज पुरोहित, कुयाराम माली, किसान मोर्चा से मोहनलाल, विसाराम, मिश्रीमल, प्रवीण खण्डेलवाल, प्रदीप पुरोहित सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सभी विजयी प्रत्याशियों का सम्मान किया गया।

'संतों से ज्यादा, संतों की वाणी का अनुसरण करें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ के तत्वावधान में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में मुनि मेरुपद्मसागरजी एवं अर्हमपद्मसागरजी ने प्रवचन में कहा कि यहाँ चातुर्मासिक आराधना अखंड रूप से हुई है। चातुर्मास में पर्व आराधना अनुष्ठानों शिविरों और आयोजनों की श्रृंखला अनेक पर्वो का समवाय: भी यहीं देखा गया। चातुर्मास काल भारतीय संस्कृति के साथ जैन लोगों के लिए यह विशेष तप त्याग के अनुष्ठानों को समर्पित रहता है। ऐसे वातावरण में श्रावक श्राविका ने साधु भगवतों की प्रेरणा से धर्म आराधना के इस पर्व उत्सव में सहभागी बनकर आत्मकल्याण की ओर अपने कदम बढाएं। चातुर्मास काल में श्रवण किए वचनों को जीवन में धारण करने से चातुर्मास सफल हो जाता है। संतों को माने या न माने परन्तु यदि संतों की बातों को मान ले तो हमारा जीवन सफल हो जाएगा।

सूची

तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने सोमवार को हैदराबाद के राजभवन में राज्यपाल डॉ. तमैलिसाई सौंदर्यराजन से मुलाकात की और नवनिर्वाचित विधायकों की सूची सौंपी।

अच्छे रेस्पांस के साथ सम्पन्न हुई तीन दिवसीय आर्टिफिशियल आभूषण प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मेन्फो कन्वेंशन सेंटर में रेडियन्ट यूनिफाई लिमिटेड द्वारा आयोजित तीन दिवसीय इंडिया इंटरनेशनल फैशन ज्वैलरी एवं एक्सेसरीज शो 'आर्टिफिशियल आभरण प्रदर्शनी' का सोमवार को समापन हुआ। प्रदर्शनी आयोजक अभिमन्यु अभिषेक सेमलानी, दीपक कात्रेला ने बताया कि यह बेंगलूरु में उनकी पहली प्रदर्शनी थीं जिसका उन्हें अच्छा रेस्पांस मिला। उन्होंने बताया कि इस बिजनेस टू बिजनेस प्रदर्शनी के तीनों दिन बड़ी संख्या में होलसेल, रिटेलर व संबंधित व्यवसायियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और आवश्यकतानुसार बुकिंग कराई। आयोजकों ने खुशी जताते हुए कहा कि पहली बार के प्रयास को बेंगलूरुवासियों व व्यवसायियों ने जो अच्छा मौका दिया है उसके लिए उनका धन्यवाद।

अभिषेक ने बताया कि ग्राहकों की मांग को देखते हुए शीघ्र ही कम्पनी बेंगलूरु में एक और प्रदर्शनी लगाएगी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.